RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 339 ता. 22 जून 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

30 जून को फिर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे किसान, देशभर में मनाएंगे हूल क्रांति दिवस

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार कम हो गई है। अधिकतर राज्य धीरे-धीरे अनलॉक की तरफ बढ़ रहे हैं। इस बी किसान भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में जुट गए हैं। देश में किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। देशभर में जारी विरोध प्रदर्शन का करीब सात महीने होने वाले हैं। ऐसे में एक बार फिर से किसान आंदोलन में तेजी लाने की कवायद की जा रही है। इसको देखते हुए किसान 30 जून को एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने 30 जून को देशभर के सभी प्रदर्शन स्थलों पर 'हूल क्रांति दिवस' मनाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन अपने सातवें महीने के करीब है। किसानों के मुताबिक, स्थानीय इलाकों के ग्रामीण और खाप भी 30 जून को होने जा रहे किसान विरोध प्रदर्शन का समर्थन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 30 जून को जनजातीय क्षेत्रों के सदस्यों को धरना स्थलों पर आमंत्रित किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के मुताबिक, हमने सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा पर स्थित ग्राम सेलागर के आदिवासियों को अपना पूरा समर्थन दिया है, जो लोग क्षेत्र में सीआरपीएफ शिविर स्थापित करने के सरकार के फैसले के खिलाफ लड़ रहे हैं। यह जमीन बिना किसी रेफरल के ली जा रही है। इसके साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा ने हरियाणा में भाजपा नेताओं, जजपा नेताओं के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखने और इन नेताओं के प्रवेश का विरोध करने का भी फैसला किया है। इसके अलावा AIKS, AIAWU और CITU के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा दल रविवार को सिंधु बॉर्डर क्षेत्र धरना स्थल पर पहुंचा। इसी तरह और भी कई प्रदर्शनकारी गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर इलाकों में पहुंच रहे हैं। किसान संगठन आंदोलन के सात महीने पूरे होने पर 26 जून को देशभर में राजभवनों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः पीएम मोदी ने बताया योग का महत्व

प्रधानमंत्री मोदी ने आज सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर राष्ट्र को संबोधित किया और योग के महत्व को बताया। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल में योग एक उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। इसके अलावा पीएम मोदी ने अपने संबोधन में योग के महत्व के बारे में भी बताया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश की जनता को संबोधित किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने सबसे पहले देश की जनता को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और लोगों से कहा कि कोरोना काल में योग ही उम्मीद की किरण है। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम योग फॉर वेलनेस है। पीएम मोदी ने भी कहा कि मौजूदा समय में करोड़ों लोगों में योग के प्रति उत्साह पहले के मुकाबले और बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योगी, संत और योग के महत्व को लेकर जानकारी दी। इसके अलावा आज से दुनिया को एम-योगा एप भी मिलने जा रही है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में इस एप को लेकर भी जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में क्या कुछ कहा, आइए उनके भाषण की बड़ी बातें जानते हैं...

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें

- कोरोना महामारी के दौरान उम्मीद की किरण बन रहा योग डॉक्टरों और मरीजों ने अपनी सुरक्षा के लिए योग को बनाया जरिया
- योग बीमारी की जड़ तक ले जाता है और इससे आत्मबल मिलता है
- योग नकारात्मकता से रचनात्मकता और स्ट्रेस से स्ट्रेंथ की ओर लेकर जाता है
- किसी स्थान, परिस्थिति या इंसान के लिए योग के पास समाधान है
- पूरे विश्व के लिए योग को सुलभ हो, इसी उद्देश्य से यूएन और डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर उठाया कदम
- कोरोना काल में मरीजों को सांस संबंधी योग जैसे प्राणायाम, अनुलोम-विलोम कराए गए
- मेडिकल साइंस इलाज के साथ-साथ हीलिंग पर भी जोर देता है और योग इस प्रक्रिया में मदद करता है
- अब दुनिया को एम-योगा एप की शक्ति मिलने जा रही है, एप में योग प्रशिक्षण वीडियो होंगी
- इस एप को कॉमन योगा प्रोटोकॉल होगा और इस एप में वीडियो अलग-अलग भाषा में उपलब्ध होंगी
- जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, तो उसके पीछे यही भावना थी कि यह योग विज्ञान पूरे विश्व के लिए सुलभ हो।
- आज इस दिशा में भारत ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा

कोरोना काल में तेजी से बढ़ा योग का महत्व

नई दिल्ली। सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कोविड-19 के दौरान योग की प्रासंगिकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि योग ने इस दौरान लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद की है। यहां महाराजा अग्रसेन पार्क में योग करने के बाद हर्षवर्धन ने कहा- कोविड-19 के दौरान योग की प्रासंगिकता बढ़ी है। योग ने हमें अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद की है। उन्होंने कहा कि हमें योग या अन्य शारीरिक गतिविधियों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। ये हमें कोरोना वायरस के खिलाफ अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा- मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, यह आपके शरीर की तात्कालिकता और आंतरिक शक्ति को बढ़ाएगा, यह आपको कोविड के खिलाफ लड़ाई में और ताकत भी देगा।

फिर से दी चेतावनी-इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना को लेकर लोगों को सतर्क भी किया। उन्होंने कहा कि कोविड की दूसरी लहर की लड़ाई में हम धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ रहे हैं, हमें बिल्कुल भी

लापरवाह नहीं होना है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हम फिर से लापरवाह होकर आराम करेंगे तो फिर से कोविड के और भी कई मामले सामने आ सकते हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने यह भी कहा कि आज से प्रत्येक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में 18 साल से अधिक उम्र के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त टीका उपलब्ध कराया जाएगा।

कांग्रेसी नेता सिंघवी बोले-

ओम के उच्चारण से शक्तिशाली नहीं होगा योग, जवाब में बाबा रामदेव ने कही ये बात

नई दिल्ली। दुनिया भर में आज सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। भारत में भी अलग-अलग जगह कोरोना नियमों को पालन करते हुए योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी के एक ट्वीट से विवाद खड़ा हो गया है। अभिषेक मनु सिंघवी ने योग को लेकर आक और अल्लाह का जिक्र किया, तो योगगुरु बाबा रामदेव ने उन्हें जवाब देते हुए कहा कि सबको सन्मति दे भगवान। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने ट्वीट, ओम के उच्चारण से ना तो योग ज्यादा शक्तिशाली हो जाएगा और ना अल्लाह कहने से योग की शक्ति कम होगी। कांग्रेसी नेता अभिषेक मनु सिंघवी के इस ट्वीट ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके एक नई बहस छेड़ दी है। सिंघवी के ट्वीट को लेकर एक चैनल से बातचीत करते

सबको सन्मति दे भगवान। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने ट्वीट, ओम के उच्चारण से ना तो योग ज्यादा शक्तिशाली हो जाएगा और ना अल्लाह कहने से योग की शक्ति कम होगी

हुए योग गुरु रामदेव ने प्रतिक्रिया दी। रामदेव ने कहा कि ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान। उन्होंने कहा कि अल्लाह, भगवान, खुदा सब एक ही है, ऐसे में ओम बोलने में दिक्कत क्या है, लेकिन हम किसी को भी खुदा बोलने से मना नहीं कर रहे हैं। रामदेव ने कहा कि इन सभी को भी योग करना चाहिए, फिर इन सभी को एक ही परमात्मा दिखेगा। आपको बता दें कि दुनिया भर में आज सातवां योग दिवस मनाया जा रहा है। भारत की अगुवाई के बाद ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश में आज योग से जुड़े कई का कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि कोरोना काल में योग लोगों का सुरक्षाकवच बन गया है। साथ ही पीएम मोदी ने एम-योगा एप लॉन्च करने की बात कही, जिसमें दुनिया की अलग-अलग भाषाओं में योग को सीखने का मौका मिलेगा।

फ्लेक्स फ्यूल इंजन पर जल्द होगा फैसला

नई दिल्ली। सरकार फ्लेक्स फ्यूल इंजन पर आठ से 10 दिन में फैसला कर लेगी। कंपनियों के लिए वाहन में ऐसे इंजन देना अनिवार्य करने की तैयारी है। इस कदम से किसानों को फायदा होगा और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वर्चुअल माध्यम से रोटरी डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। फ्लेक्स फ्यूल इंजन में पेट्रोल और एथनाल दोनों का प्रयोग किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं परिवहन मंत्री हूं और उद्योग के लिए आदेश जारी करने जा रहा हूं। गाड़ियों में केवल पेट्रोल से चलने वाला इंजन नहीं होगा, बल्कि फ्लेक्स फ्यूल इंजन होगा। लोग अपनी इच्छा से 100 फीसद पेट्रोलियम ईंधन या 100 फीसद एथनाल का इस्तेमाल कर सकेंगे। पेट्रोल की कीमतें कुछ राज्यों में 100 रुपये प्रति लीटर के ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि एथनाल 60 से 62 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है। गडकरी ने कहा कि ब्राजील, कनाडा और अमेरिका में गाड़ियों में ऐसे इंजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें 100 फीसद बायो-एथनाल प्रयोग किया जा सकता है। हाल ही में सरकार ने पेट्रोल में 20 फीसद एथनाल मिलाने का लक्ष्य भी 2025 तक ही पूरा कर लेने की बात कही है। पहले यह लक्ष्य 2030 के लिए तय किया गया था। गडकरी ने कहा कि 2014 में पेट्रोल में एक से डेढ़ फीसद एथनाल मिलाया जाता था, जो आज 8.5 फीसद पर पहुंच गया है। उस समय 38 करोड़ लीटर एथनाल खरीदा जाता था, जो आज 320 करोड़ लीटर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार की कीमतों से ज्यादा हैं,

कोरोना वैक्सीनः देश में एकल खुराक वाले टीके की जांच तकनीक पर काम शुरू

नई दिल्ली। देश में एकल खुराक वाली वैक्सीन को लेकर काम तेज से शुरु हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी मिली है कि इस वैक्सीन की जांच के लिए एक नई तकनीक की आवश्यकता है जिसे लेकर वैज्ञानिकों ने अपना काम शुरू कर दिया।

वैज्ञानिकों ने जॉनसन एंड जॉनसन से मांगी मिश्रण की जानकारी

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए जॉनसन

एंड जॉनसन कंपनी यौगिक अभिकर्मक मांगे हैं। ताकि भारत में वैक्सीन का बैच आने के बाद सुरक्षा और प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की सत्यता का पता लगाया जा सके। भारत के औषधि महानियंत्रक कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत में एकल खुराक वैक्सीन का उत्पादन बायोलॉजिकल ई कंपनी के जरिए किया जा सकता है।

अगर कंपनी में समय पर मिश्रण सहित अन्य जरूरी मांगों को पूरा कर दिया तो संभावना है कि इस साल जॉनसन एंड जॉनसन का वैक्सीन मिल सके। दरअसल हिमाचल प्रदेश के कसौली में केंद्र सरकार की प्रयोगशाला है जिसे सीडीएल नाम से जानते हैं।

भारत में बायोलॉजिकल ई कंपनी करेगी एकल खुराक का उत्पादन

यहां वैक्सीन के बैच की जांच होने और अनुमति मिलने के बाद ही इसे अन्य हिस्सों में टीकाकरण के लिए भेजा जा सकता है। बीते दिनों बायोलॉजिकल की ई कंपनी का एक प्रतिनिधिमंडल वहां पहुंचा था और सीडीएल से उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी भी हासिल की थी।

गलवान से टाइम्स स्क्वॉयर तक...ऐसे मनाया गया योग दिवस

नई दिल्ली। दुनियाभर में 7वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग दिवस के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। उत्तराखंड के हरिद्वार में योगगुरु रामदेव की अगुवाई में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां काफी लोगों ने योग दिवस के मौके पर योग किया। सिर्फ हरिद्वार ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में योग दिवस को लेकर कार्यक्रम किए गए। वहीं, दुनिया के अलग-अलग देशों में जहां कोरोना के कारण हालात में काफी हदतक सुधार आ रहा है, वहां भी योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भारतीय-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोमवार को लद्दाख में बर्फीली चोटियों के

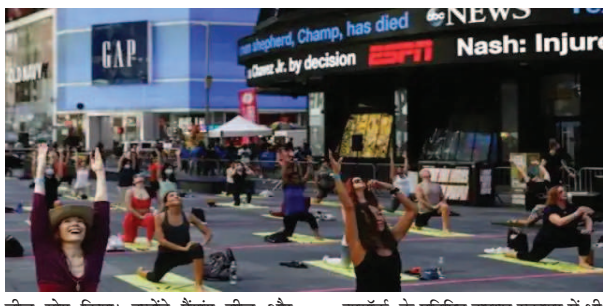

बीच योग किया। उन्होंने पैंगांग झील और गलवान घाटी के पास भी योग के कई आसन किए और दुनिया को इसकी अहमियत का संदेश दिया।

न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर में भी रविवार को सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया भारतीय दूतावास न्यूयॉर्क ने रविवार को टाइम्स स्क्वायर में अंतर्राष्ट्रीय योग समारोह की मेजबानी करने के लिए टाइम्स स्क्वायर एलायंस के साथ भागीदारी की। दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम में 3,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसका विषय "Solstice" था। इधर चीन के चुंगसान में वर्ष 2006 से सन-मून योग सेंटर का संचालन किया जा रहा है। वर्चुअल माध्यम से कई साधक योग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। महामारी में इसका महत्व और बढ़ गया है।

ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि विश्व के कई देशों के साधक संक्रमण काल में भी वर्चुअल माध्यम से योग का नियमित ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर परमार्थ घाट में कई देश के साधक वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

बता दें कि छह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया था और देखते ही देखते दुनिया के तमाम देश इस मुहिम में शामिल हो गए। इस दौरान पीएम मोदी ने सबसे पहले देश की जनता को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और लोगों से कहा कि कोरोना काल में योग ही उम्मीद की किरण है। इसके अलावा पीएम मोदी ने भी कहा कि मौजूदा समय में करोड़ों लोगों में योग के प्रति उत्साह पहले के मुकाबले और बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योगी, संत और योग के महत्व को लेकर जानकारी दी।

ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि विश्व के कई देशों के साधक संक्रमण काल में भी वर्चुअल माध्यम से योग का नियमित ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने यहां कहा जब भारत ने यूनाइटेड नेशंस में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, तो उसके पीछे यही भावना थी कि ये योग विज्ञान पूरे विश्व के लिए सुलभ हो। आज इस दिशा में भारत ने यूनाइटेड नेशंस, WHO के साथ मिलकर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा भारत के ऋषियों ने, भारत ने जब भी स्वास्थ्य की बात की है, तो इसका मतलब केवल शारीरिक स्वास्थ्य नहीं रहा है। इसीलिए, योग में फ़िज़िकल हेल्थ के साथ साथ मेंटल हेल्थ पर इतना ज़ोर दिया गया है।

सार समाचार

कोविड-19 संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के मामले में एनसीपी नेता समेत छह गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 संबंधी नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन करने के मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता के और पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शिवाजी नगर पुलिस थाना के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में राकांपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष प्रशांत जगताप और पार्टी के पांच कार्यकर्ताओं को भारतीय दंड संहिता, आपदा प्रबंधन अधिनियम और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। हालांकि उन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पुणे में शनिवार को राकांपा के एक कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर करीब 500 लोग एकत्र हुए थे, जबकि केवल 100 से 150 लोगों की उपस्थिति के साथ ही कार्यक्रम को मंजूरी प्रदान की गयी थी। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी शामिल हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में अधिकतर लोगों ने मास्क भी नहीं पहना हुआ था और शारीरिक दूरी के नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा था।

मनीष सिसोदिया बोले, दिल्ली को चाहिए 2 करोड़ टीके, मिले सिर्फ 15 लाख

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने देश और दिल्ली में वैक्सीन की कमी को लेकर एक बार फिर प्रेस कांफ्रेस की। उन्होंने इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए बोला कि दुनिया के कई देश ऐसे हैं जिन्होंने अपने नागरिकों को प्राथमिकता में रखते हुए वैक्सीन लगवाई। आज वो गर्व के साथ खुद को मास्क फ्री घोषित कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली को 2.94 करोड़ वैक्सीन की डोज़ चाहिए थी। 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए केंद्र सरकार ने जनवरी में 7.13 लाख वैक्सीन दी, फरवरी में 7.39 लाख वैक्सीन दी, मार्च में 7.22 लाख वैक्सीन दी, अप्रैल में 18.70 लाख वैक्सीन दी, मई में 9.56 लाख वैक्सीन दी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जून में 8.21 लाख वैक्सीन दी, 21 जून से आगे एक भी वैक्सीन मुफ्त नहीं आ रही है। जुलाई में दिल्ली के लिए केवल 15 लाख वैक्सीन मुफ्त दी जा रही है। 15 लाख वैक्सीन में कैसे काम चलेगा। आपने कुल मिलाकर अभी तक 57 लाख वैक्सीन दी है जिसमें दिल्ली की खरीदी हुई भी हैं।

सिद्धू का तंज, जब सिस्टम ने खुद को बदलने से इनकार किया तो मैंने सिस्टम को ही ठुकरा दिया

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच की दूरियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। कैप्टन अमरिंदर पर सिद्धू लगातार हमलावर हैं। कांग्रेस आलाकमान के साथ हुई बैठक के बाद भी सिद्धू मारने को तैयार नहीं हैं। एक बार फिर से सिद्धू ने कैप्टन अमरिंदर सिंह पर तीखा वार किया है। सिद्धू ने साफ तौर पर कहा कि जब सिस्टम ने खुद को बदलने से इनकार कर दिया तो मैंने सिस्टम को ही ठुकरा दिया। सिद्धू ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो के साथ सिद्धू ने लिखा है कि 17 सालों तक लोकसभा, राज्यसभा, विधायक, मंत्री... सब रहा.. मकसद एक है पंजाब को चलाने वाली व्यवस्था को बदलने और लोगों के हाथ में ताकत वापस देना। सिद्धू ने आगे कहा कि जब सिस्टम ने हर रिफॉर्म की कोशिश को नकार दिया तो मैंने सिस्टम को ही ठुकरा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे मुझे कैबिनेट के लिए ही ऑफर क्यों ना आते रहे मैं सभी चीजों को मना कर रहा हूं। सिद्धू का यह ट्वीट ऐसे समय में आया है जब आलाकमान पंजाब कांग्रेस में सब कुछ ठीक-ठाक करने की कोशिश में जुटा हुआ है। आलाकमान ने पिछले दिनों पंजाब को लेकर ताबड़तोड़ बैठकों का दौर किया था। हालांकि मध्य का मार्ग अभी भी नहीं निकल सका है।

कलेक्टर द्वारा तेलंगाना के मुख्यमंत्री के पैर छूने पर लोगों ने जताई नाराजगी

हैदराबाद। सिद्दीपेट के जिला कलेक्टर द्वारा एक आधिकारिक कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के पैर छूने से विवाद पैदा हो गया। इस घटना के बाद अधिकारी को जनता का गुस्सा और विपक्षी नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। जिला कलेक्टर पी. वेंकटरामी रेड्डी ने रविवार को सिद्दीपेट जिला मुख्यालय में नवनिर्मित कलेक्ट्रेट का उद्घाटन करने वाले एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लेने के लिए उनके पैर छुए। भवन के उद्घाटन के बाद, मुख्यमंत्री ने एक अनुष्ठान के तहत रेड्डी को कलेक्टर की कुर्सी पर बैठाया। रेड्डी तब अपनी सीट से उठे और मुख्यमंत्री के पैर छूने के लिए झुके, जबकि बाद वाले ने उन्हें रोकने की कोशिश की। यह घटना मुख्य सचिव एम. सोमेश कुमार और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई। कलेक्टर की कार्रवाई की आम जनता और विपक्ष दोनों ने आलोचना की। उन्होंने उन पर मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए आईएएस कैडर के अधिकारियों के स्वाभिमान को गिरवी रखने का आरोप लगाया। जैसे ही कलेक्टर के केसीआर के पैर छूने का वीडियो वायरल हुआ, लोगों ने उनकी निंदा शुरू कर दी। हालांकि, कलेक्टर ने यह कहते हुए अपना बचाव किया कि केसीआर उनके लिए पिता के समान हैं। रेड्डी ने बयान में कहा, शुभ अवसरों के दौरान बड़ों का आशीर्वाद लेना तेलंगाना की संस्कृति का हिस्सा है। जब मैं नए कलेक्ट्रेट में कार्यभार संभाल रहा था, तब मैंने मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लिया, जो मेरे लिए एक पिता की तरह हैं। कलेक्टर ने यह भी बताया कि रविवार को फादर्स डे था। उन्होंने सभी से इसे मुद्दा न बनाने की अपील की। उनका स्पष्टीकरण कई लोगों द्वारा ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी कार्रवाई की निंदा करने के बाद आया। भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता विजय गोपाल ने कलेक्टर के इशारे की निंदा करते हुए पूछा, यह एक लोक सेवक द्वारा घोर कदाचार है, वह इसे प्रदर्शित करके निष्पक्ष रूप से अपने कर्तव्यों का पालन कैसे कर सकता है?

उद्योग मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न मामलों को अनुराग ठाकुर के समक्ष उठाया

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामले के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर से भेंट कर हिमाचल प्रदेश और अपने विधानसभा क्षेत्र जसवां परागपुर की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने राज्य मंत्री से इन परियोजनाओं से सम्बन्धित मामलों को शीघ्र स्वीकृति के लिए विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के समक्ष उठाने का आग्रह किया। उद्योग मंत्री ने जसवां परागपुर विधानसभा के मुद्दों पर चर्चा करते हुए राज्य मंत्री को अवगत करवाया कि क्षेत्र में विभिन्न खड्डों के बाढ़ सुरक्षा और कटाव रोधी उपायों के लिए 505.71 लाख रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई है जिसकी स्वीकृति अपेक्षित है। उन्होंने अनुराग ठाकुर से इन मामलों को केन्द्र सरकार से आगामी कार्रवाई के लिए उठाने का आग्रह किया। उन्होंने ठाकुर से पंजाब नेशनल बैंक प्राधिकरण को चनौर गांव में अपनी शाखा और एटीएम खोलने के निर्देश देने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य मंत्री से सड़क परिवहन मंत्रालय से केंद्रीय सड़क एवं बुनियादी ढांचा कोष (सीआरआईएफ) के अन्तर्गत जिला कांगड़ा में रक्कड़-चलाह-अप्पर भटोली-टिक्कर-शान्तला सड़क के सुधारीकरण, चैड़ाई और सुदृढ़ीकरण मामले पर कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। उन्होंने केन्द्रीय मंत्रालय से जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रिड़ी कुठेड़ा में केन्द्रीय विद्यालय स्वीकृत करने के मामले में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

बिक्रम सिंह ने अवगत करवाया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर जल से नल उपलब्ध करवाने के लिए तीन चरणों में 11 परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केन्द्र से 2394.32 लाख रुपये की आवश्यकता है। अभी तक इन योजनाओं के लिए केन्द्र ने 1043.56 लाख रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने इन परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के लिए शेष स्वीकृत राशि को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने औद्योगिक विकास योजना को वर्ष 2024 तक दो वर्ष का विस्तार देने और राज्य में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए हिमाचल प्रदेश को जम्मू-कश्मीर के समान प्रोत्साहन प्रदान करने के संदर्भ में भी श्री ठाकुर से चर्चा की। उन्होंने सोलन जिले के बद्दी में सीईटीपी सुविधा प्रदान करने के लिए सौंपे गए प्रस्ताव पर संबंधित मंत्रालय से मामला उठाने का आग्रह किया। उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय से बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ को अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत औद्योगिक नोड के रूप में समावेश करने का भी आग्रह किया। अनुराग ठाकुर ने बिक्रम सिंह द्वारा प्रस्तुत मुद्दों पर सम्बन्धित मंत्रालयों के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया।

भारत में वैक्सीनेशन अभियान को मिली तेजी, एक दिन में रिकॉर्ड 47 लाख लोगों को दी गई वैक्सीन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण को मात देने के लिए वैक्सीनेशन अभियान जारी है। एक दिन में रिकॉर्ड 47 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई। केंद्र की मोदी सरकार ने 21 जून से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए मुफ्त वैक्सीनेशन की शुरुआत की थी। जिसके तहत सोमवार को 47 लाख से ज्यादा लोगों को कोविड वैक्सीन दी गई। अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट 'एनडीटीवी' के मुताबिक एक दिन में वैक्सीनेशन का सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। सोमवार को शाम 4 बजे तक 47 लाख से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराक लगाई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट के माध्यम से जानकारी दी कि कोरोना वैक्सीनेशन के लिए जारी गाइडलाइन्स को संशोधित किए जाने के बाद एक दिन में 47 लाख से अधिक वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वैक्सीनेशन नियमों में बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने इसका पूरा उठाने का निर्णय किया था। जिसके तहत उन्होंने 21 जून से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगाने का संकल्प किया।

सोनिया ने 24 जून को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक बुलाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 24 जून (गुरुवार) को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक बुलाई है, ताकि संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा सके और चुनावी राज्यों की तैयारियों का जायजा लिया जा सके। पार्टी के वरिष्ठ नेता के. सी. वेणुगोपाल ने बैठक के एजेंडे पर कहा कि बैठक में कांग्रेस के जनसंपर्क कार्यक्रमों का जायजा लिया जाएगा और ईंधन वृद्धि और महंगाई पर उठाए जाने वाले कदमों के बारे में चर्चा की जाएगी। बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी के भीतर से सुधारों की मांग बढ़ रही है। खासकर राज्य चुनावों में हार के बाद ऐसे मांग काफी बढ़ गई है। सोनिया गांधी राज्य इकाइयों में मुद्दों को सुलझाना चाहती हैं, क्योंकि पंजाब और राजस्थान सहित अधिकांश राज्यों में अंदरूनी कलह की खबरें आती रही हैं। कांग्रेस का उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में महत्वपूर्ण रूप से एक प्रकार का टेस्ट है, जहां अगले साल की शुरूआत में चुनाव होंगे। पार्टी न केवल उन राज्यों में समस्याओं का सामना कर रही है जहां वह सत्ता में है, जैसे कि राजस्थान और पंजाब, बल्कि उन राज्यों में भी उसे अंदरूनी कलह का सामना करना पड़ रहा है, जहां वह विपक्ष में है, जिनमें कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, दिल्ली और अन्य राज्य शामिल हैं। पार्टी कई राज्य इकाइयों में बदलाव और एआईसीसी ढांचे में फेरबदल पर विचार कर रही है। पार्टी को नए अध्यक्षों का भी चुनाव करना है जिनके चुनाव महामारी के कारण स्थगित कर दिए गए थे।

आप का पंजाब सीएम चेहरा सिख समुदाय से होगा : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को घोषणा की कि पार्टी पंजाब की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी और अगर पार्टी सत्ता में आती है तो सिख समुदाय का एक व्यक्ति मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार होगा।

आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को चंडीगढ़ का दौरा करने के बाद यह घोषणा की। केजरीवाल ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर आप को पंजाब विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री सिख समुदाय से होगा।

हालांकि, केजरीवाल ने पंजाब में मुख्यमंत्री के चेहरे का नाम नहीं बताया। इस बीच, पंजाब पुलिस के पूर्व महानिरीक्षक (आईजी) कुंवर विजय प्रताप अमृतसर में अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हो गए। आप में कुंवर विजय प्रताप का स्वागत करते हुए केजरीवाल ने कहा, प्रताप पंजाब के लोगों की सेवा करते रहे हैं और वह राज्य में एक लोकप्रिय चेहरा हैं। केजरीवाल ने कहा, वह राजनीतिक पृष्ठभूमि से नहीं हैं। वह पंजाब के लोगों की सेवा करना चाहते हैं और इसलिए उन्होंने आप में शामिल होने का फैसला किया है। आप के संयोजक ने पिछले कई सालों से दिल्ली में केजरीवाल सरकार द्वारा मुफ्त में प्रदान की जा रही नीतियों (बिजली और पानी आदि) और अन्य विकासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंजाब के लोगों को अब बदलाव की जरूरत है।

उन्होंने कहा, पंजाब के लोग पिछले 70 सालों से यहां शासन कर रहे दोनों दलों से तंग आ चुके हैं और वे अब बदलाव चाहते हैं। उन्होंने राज्य में आप को सबसे अच्छे विकल्प के रूप में लिया है। मैं पंजाब के लोगों से अपील करूंगा कि वे अगले विधानसभा चुनाव में आप का समर्थन करें और आपको दिल्ली जैसा विकास मिलेगा। आपने कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को कई मौके दिए हैं, लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया। आप को मौका दें और आप पांच साल के भीतर पंजाब में बदलाव पाएंगे।

कोविड से जान गंवाने वालों के परिवारों की मदद को तैयार नहीं सरकार ! राहुल बोले- यह क्रूरता है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना महामारी के बीच देश में आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर जमकर आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष केंद्र सरकार पर कोरोना महामारी के दौरान फेल होने का आरोप लगा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मोदी सरकार पर कगोरोना महामारी के दौरान लगातार हमला करते रहे हैं। इन सब के बीच आज राहुल गांधी ने एक बार फिर से मोदी सरकार पर हमला किया है। कोरोना महामारी के कारण जान गवाने वाले लोगों के परिवारों को 4-4 लाख का मुआवजा देने में केंद्र सरकार द्वारा असमर्थता जताए जाने के बाद राहुल ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने इसे सरकार की क्रूरता बताया है।

अपने ट्वीट में राहुल ने लिखा कि कोविड महामारी में पहले इलाज की कमी, फिर झूठे आंकड़े और ऊपर से सरकार की यह क्रूरता.....। उन्होंने ट्वीट किया, ''जीवन की क़ीमत लगाना असंभव है- सरकारी मुआवज़ा सिर्फ़ एक छोटी सी सहायता होती है लेकिन मोदी सरकार यह भी करने को तैयार नहीं।'' केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में कहा है कि कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार चार लाख रुपये का मुआवजा नहीं दिया जा सकता क्योंकि यह वित्तीय बोझ उठाना मुमकिन नहीं है और केंद्र तथा राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये मुआवजा नहीं दिया जा सकता क्योंकि वित्तीय बोझ उठाना मुमकिन नहीं है और केंद्र तथा राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। शीर्ष अदालत में एक हलफनामे में गृह मंत्रालय ने कहा है कि आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 12 के तहत ''न्यूनतम मानक राहत'' के तौर पर स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना बढ़ाने, प्रत्येक नागरिक को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और तेज कदम उठाए गए हैं।

राकेश टिकैत ने बताई 26 तारीख की योजना, बोले- हम राज्यपाल के माध्यम से कहेंगे अपनी बात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों का आंदोलन नवंबर के आखिरी सप्ताह से जारी है। इसी बीच भारतीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने आगे की रणनीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार से राज्यपाल और राष्ट्रपति बड़े होते हैं। हम राज्यपाल के पास जाएंगे। समाचार एजेंसी के मुताबिक किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 26 तारीख को लोग हर राज्य में राज्यपाल या उपराज्यपाल के यहां जाएंगे। उनको ज्ञापन देंगे और मिलेंगे। कोरोना है तो 5-6 लोग जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर सरकार नहीं सुन रही है तो राज्यपाल और राष्ट्रपति बड़े होते हैं। हम राज्यपाल के माध्यम से अपनी बात कहेंगे। इससे पहले राकेश टिकैत ने हरियाणा की मनोहरलाल खट्टर सरकार पर निशाना साधते हुए एक ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने कहा कि या तो किसान और जनता रहेगी या ये सरकार रहेगी। अन्नदाता की आवाज झूठे मुकदमों से दबने वाली नहीं है। उल्लेखनीय है कि किसान नेता ने शनिवार को कहा था कि देश की राजधानी को किसानों ने पिछले 7 महीनों से घेर रखा है। भारत सरकार को शर्म नहीं आती , हम कहां बैठें ? हमारा कोई घर है वहां। ये गलतफहमी सरकार अपने दिमाग से निकाल दे कि किसान वापस जाएगा।

दीदी को हाई कोर्ट से लगा झटका तो बोलीं स्मृति ईरानी- ममता को देना होगा अपने किए का हिसाब

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग क जांच पर कोलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करने वाली ममता सरकार को करारा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने जांच पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से अदालत के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कि ममता को अपने किए का हिसाब देना होगा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। प्रताड़ित, घरों से निकाले, मौत के घाट उतारे लोगों के लिए विश्वास जगा है कि उन्हें न्याय मिलेगा। एक मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) राज्य में सजाए मौत होते देख रही हैं क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री के पक्ष में वोट नहीं किया। बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भी ममता सरकार पर निशाना साधते हुए झूठ बोलने का आरोप लगाया। बीजेपी प्रभारी विजयवर्गीय ने कहा कि हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि बंगाल सरकार असत्य बोल रही है, बंगाल में हिंसा हो रही है, उसके बाद भी मुख्यमंत्री कह रही हैं कि हिंसा नहीं हुई। हाई कोर्ट ने मानव अधिकार आयोग को कहा है कि एक टीम बनाएं और जहां हिंसा हुई है उसकी रिपोर्ट सीधे हाई कोर्ट को दें।

दीदी को उच्च न्यायालय से लगा झटका

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच राष्ट्रीय मानव अधिकारआयोग को सौंपने संबंधी आदेश सोमवार को वापस लेने से इंकार करते हुये इस बारे में राज्य सरकार का आवेदन खारिज कर दिया।अदालत ने मानव अधिकारआयोग को एक समिति गठित कर राज्य में चुनाव बाद हिंसा के दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की जांच करने का आदेश दिया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने जनहित याचिकाओं के एक समूह पर पारित आदेश को वापस लेने का पश्चिम बंगाल सरकार का आवेदन खारिज कर दिया। इन जनहित याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि राजनीतिक हमलों की वजह से लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा, उनके साथ मारपीट की गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और कार्यालयों में लूटपाट की गई। पीठ ने 18 जून को पश्चिम बंगाल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव (डब्ल्यूएमएलएसए) की ओर से दाखिल की गई रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए यह आदेश सुनाया था।

सार समाचार

इतिहास में पहली बार इजराइल के विदेश मंत्री करेंगे यूएई दौरा, अरब देशों से संबध अच्छे होने के आसार?

यरुशलम। इजराइल के नये विदेश मंत्री याइर लेपिड अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाएंगे। अब तक के इतिहास में किसी इजराइली नेता का यह पहला यूएई दौरा होगा। दरअसल, अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के कारण इजराइल और यूएई ने पिछले वर्ष एक समझौते के तहत राजनयिक संबंधों को बहाल करने पर सहमति जताई थी।

इजराइल और अमेरिका में बनी दोनों ही नयी सरकारों ने कहा है कि वे उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में अन्य अरब देशों के साथ भी ऐसे ही समझौते किए जाएंगे। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि लेपिड 29 और 30 जून को यूएई के दौरे पर होंगे, जहां वह अबू धाबी में इजराइली दूतावास और दुबई में एक वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे।

कोरोना संकट के बीच पाकिस्तान को चीन से मिली कोविड-19 टीके की 15.5 लाख खुराकें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को रविवार को चीन निर्मित कोविड रोधी टीके की 15.5 लाख खुराकें मिली हैं। वहीं देश में कोरोना वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया गया है। राष्ट्रीय कमान एवं नियंत्रण केंद्र, पाकिस्तान (एनसीओसी)ने कहा कि पाकिस्तान ने सिनोवैक टीके खरीदे थे और टीकों की खेप पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के विमान से इस्लामाबाद और कराची लाई गई। एनसीओसी ने कहा, ''चीन ने पाकिस्तान को टीके की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं।''

उसने कहा कि 20-30 लाख खुराकों की अन्य खेप आगामी हफ्तों में चीन से आएगी। योजना मंत्री और एनसीओसी के प्रमुख असद उमर ने ट्वीट किया कि पिछले हफ्ते 23 लाख से ज्यादा टीके लगाये गये हैं और 3,32,877 टीके प्रतिदिन लगाने की दर रही। इस बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1050 नए मरीजों की पुष्टि हुई जिसके बाद मामलों की कुल संख्या 9,48,268 पहुंच गई है जबकि इस अवधि में 37 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 21,977 पहुंच गई है। देश में संक्रमण दर 2.56 प्रतिशत है तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 33,972 हैं।

ईरान के चुने गए नए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने खुद को बताया मानवधिकार का रक्षक!

दुबई। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने सोमवार को खुद को 'मानवाधिकारों का रक्षक' बताया। उन्होंने यह बात 1988 में तकरीबन पांच हजार लोगों की सामूहिक फांसी में शामिल होने के बाबत पूछे जाने जाने पर कही। चुनाव में जीत हासिल करने के बाद पहले संवाददाता सम्मेलन में रईसी ने सोमवार को यह बयान दिया। रईसी उस कथित 'मौत के पैनल' के सदस्य थे, जिसने 1980 में हुए ईरान-इराक युद्ध का अंत होने के बाद राजनीतिक बंदियों को मौत की सजा सुनाई थी।

रूसी राजदूत को तीन महीने बाद फिर से भेजा गया अमेरिका

मास्को। रूस और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के बाद स्वदेश लौटे रूसी राजदूत को करीब तीन महीने बाद फिर से अमेरिका भेजा गया हैं। रूसी दूतावास ने इस बारे में ट्वीट करके जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच पिछले सप्ताह जिनेवा में शिखर वार्ता हुई थी। इसी दौरान दोनों नेता रूसी राजदूत अनातोली अंतोनोव की अमेरिका और अमेरिकी राजदूत जॉन सुलिवन की रूस में वापसी पर सहमत हुए थे। सुलिवन अप्रैल में मास्को से स्वदेश आ गये थे। अंतोनोव रविवार को एयरोफ्लोट के विमान से न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए और फिर वाशिंगटन पहुंचे। रूसी दूतावास ने रविवार रात ट्वीट किया कि अंतोनोव अपनी ड्यूटी पर लौट गए हैं। बाइडन के एक टीवी साक्षात्कार के बाद अंतोनोव स्वदेश आ गए थे। इस साक्षात्कार में बाइडन ने कहा था कि पुतिन एक हत्यारे हैं। इसके बाद रूसी अधिकारियों ने सुलिवन को भी स्वदेश लौटने का सुझाव दिया था।

ईरान ने अचानक बंद किया अपना न्यूक्लियर पावर प्लांट, क्या कोई रच रहा साजिश?

तेहरान। ईरान की एकमात्र परमाणु ऊर्जा इकाई को अचानक अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया और इस आपातकालीन कदम को लेकर कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। सरकारी टीवी चैनल ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य विद्युत ऊर्जा कंपनी के अधिकारी घोलामाली राखशानिमेहर ने टीवी पर एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बुशहर स्थित इकाई को शनिवार को बंद किया गया जोकि करीब तीन से चार दिनों के लिए बंद रहेगी।

हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक विवरण साझा नहीं किया लेकिन ऐसा पहली बार है जब ईरान ने इकाई को आपातकालीन तौर पर बंद किया है। दक्षिणी बंदरगाह शहर बुशहर में स्थित इस इकाई को वर्ष 2011 में रूस की मदद से शुरू किया गया था। परमाणु अधिकारी महमूद जाफरी ने मार्च में कहा था कि इस इकाई को बंद करना पड़ सकता है क्योंकि तेहरान इसके लिए आवश्यक कल-पुर्जे और उपकरण खरीदने में असमर्थ है।

पश्चिमी, पूर्वी लीबिया को जोड़ने वाली तटीय सड़क फिर से खोली जाएगी

त्रिपोली। (एजेंसी)।

लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल हामिद दबीबाह ने दो साल से बंद रहने के बाद देश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को जोड़ने वाली तटीय सड़क को फिर से खोलने की घोषणा की है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2019 के बाद से, जब राजधानी त्रिपोली और उसके आसपास पूर्वी-आधारित सेना और संयुक्त राष्ट्र समर्थित पूर्व सरकार के बीच युद्ध छिड़ गया था जिससे सड़क बंद कर दी गई थी। दबीबाह ने रविवार को कहा, ये कोशिश एक कठिन समय के बाद आई, जिसके दौरान लोगों को दर्दनाक और गंभीर अनुभवों और वैकल्पिक मार्गों से यात्रा करने की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सड़क के फिर से खुलने और देश के पूर्व और पश्चिम के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी को फिर से शुरू करने के बाद विभाजन की स्थिति समाप्त हो गई है, इसे लीबिया के आधुनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना कहा जाता है।

किम जोंग उन की टिप्पणी एक दिलचस्प संकेत : यूएस एनएसए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की यह टिप्पणी कि प्योंगयांग को बातचीत के लिए तैयार रहना चाहिए, साथ ही वाशिंगटन के साथ टकराव का भी एक दिलचस्प संकेत था।

17 जून को प्योंगयांग में एक प्रमुख वर्कर्स पार्टी की बैठक के दौरान की गई टिप्पणी ने पहली बार किम ने अमेरिका के बारे में बात की, जब से राष्ट्रपति जो बाईडन ने जनवरी में पदभार संभाला था। समाचार एजेंसी ने एबीसी न्यूज के साथ रविवार को एक साक्षात्कार में सुलिवन के हवाले से कहा, उनकी टिप्पणियों को हम एक दिलचस्प संकेत के रूप में देखते हैं और हम यह देखने के लिए इंतजार करेंगे कि आगे के संभावित मार्ग के बारे में हमारे साथ किसी भी तरह के सीधे संचार के साथ उनका पालन किया जाता है या नहीं। उन्होंने पुष्टि की कि बाइडन प्रशासन कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणुकरण के अंतिम उद्देश्य के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम से निपटने के लिए प्योंगयांग के साथ सैद्धांतिक वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है।

उत्तर कोरिया के लिए अमेरिका के नए विशेष दूत सुंग किम परमाणु निरस्त्रीकरण के मुद्दे पर अपने दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ तीनतरफा बैठक के लिए शनिवार को सियोल पहुंचे। अप्रैल के अंत में बाइडन प्रशासन ने उत्तर कोरिया के प्रति अपनी नीति समीक्षा पूरी की। व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने कई माध्यमों से प्योंगयांग से संपर्क किया था लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। किम जोंग-उन और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प ने जून 2018 में सिंगापुर में अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणुकरण और स्थायी शांति समझौते पर सहमति व्यक्त की गई थी। वियतनाम की राजधानी हनोई में फरवरी 2019 में बिना किसी समझौते के दूसरा किम-ट्रम्प शिखर सम्मेलन समाप्त होने के बाद से प्योंगयांग और वाशिंगटन के बीच परमाणुकरण वार्ता रुकी हुई है।

अमेरिका में क्लाउडेट तूफान का कहर, वैन में सवार 8 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत

बैंकॉक, (एजेंसी)।

अटलांटा (अमेरिका)। अमेरिका के अलबामा प्रांत में आए ऊष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान क्लाउडेट के कारण हुए हादसों में 13 लोगों की मौत हो गयी जबकि इसकी वजह से अचानक आई बाढ़ के कारण दर्जनों घर नष्ट हो गए। हादसे में मारे गए लोगों में वैन में सवार आठ बच्चे भी शामिल हैं। अलबामा प्रांत की बटलर काउंटी के कोरोनर वेन गारलॉक ने बताया कि शनिवार को मोंटगोमरी के दक्षिण की ओर करीब 55 किलोमीटर दूर इंटरस्टेट 65 पर कई वाहन आपस में टकरा गए जिसके कारण नौ बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गयी। यह हादसा संभवत- सड़कों पर फिसलन के कारण हुआ।

इस हादसे में एक वैन में सवार आठ बच्चों की मौत हो गयी, जिनकी उम्र चार से 17 वर्ष के बीच बताई जा रही है। यह वैन दुर्व्यवहार अथवा उपेक्षा का शिकार हुए बच्चों के लिए अलबामा शेरिफ एसोसिएशन द्वारा संचालित एक आश्रय स्थल की थी। इसके अलावा एक अन्य वाहन में एक व्यक्ति और उसकी नौ महीने की बच्ची की मौत हो गयी। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।इस बीच, टस्कलोसा शहर में एक मकान पर एक पेड़ गिरने से 24 वर्षीय एक व्यक्ति और तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। तूफान के कारण मिसीसिपी खाड़ी तटीय क्षेत्र में 30 सेंटीमीटर तक बारिश हुई।डब्ल्यूबीआरसी-टीवी ने बताया कि बर्मिंघम में एक व्यक्ति की तलाश की जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि वह व्यक्ति अचानक आई बाढ़ के दौरान पानी में गिर गया था। तूफान की वजह से हुई मूसलाधार बारिश के चलते उत्तरी जॉर्जिया, दक्षिण कैरोलिना के अधिकतर हिस्सों, उत्तरी कैरोलिना तट और दक्षिणपूर्व अलबामा के कुछ हिस्सों और फ्लोरिडा पैनहैंडल में रविवार को अचानक बाढ़ आ गयी।

बन रही शांति! इजराइल ने गाजा पट्टी पर कुछ प्रतिबंधों में ढील दी

गाजा सिटी (गाजा पट्टी)। इजराइल ने सोमवार को गाजा पट्टी पर कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मई में इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच 11 दिनों तक चली लड़ाई के बाद संघर्ष विराम को लेकर खतरा पैदा हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि 40 दिनों में पहली बार केरेम शालोम क्रॉसिंग से 11 ट्रकों के जरिये कपड़ों का निर्यात किया गया।इजराइल ने रविवार को कहा था कि वह गाजा से सीमित कृषि निर्यात की अनुमति देगा। अधिकारियों के अनुसार गाजा के अंदर और बाहर मेल सेवाओं को फिर से शुरू करने की भी अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि इजराइल द्वारा लगाये गये अन्य प्रतिबंध जारी रहेंगे। इनमें गाजा के मछुआरों के लिए क्षेत्र पर प्रतिबंध, इजरायल या वेस्ट बैंक में इलाज कराने वाले चिकित्सा रोगियों की संख्या सीमित रखने और गाजा उद्योगों के लिए कच्चे माल पर प्रतिबंध शामिल हैं। गौरतलब है कि इजराइल और हमास के बीच 21 मई को संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी, जिसके बाद 11 दिन तक चले युद्ध पर विराम लग गया था। यह संघर्ष 10 मई को शुरू हुआ था जब गाजा में हमास चरमपंथियों ने यरुशलम की तरफ लंबी दूरी के रॉकेट दागे थे।

इमरान खान का अजब बयान, पाकिस्तान में रेप के लिए महिलाओं के कपड़ों को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

खुद प्लेबॉय के इमेज रखने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अक्सर रेप को लेकर अपने बयान देते हुए मुश्किल में पड़ जाते हैं। अब एक बार फिर इमरान ने अपनी घटिया सोच का परिचय देते हुए रेप को लेकर घिनौना बयान दिया है। इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान में बढ़ रहे यौन उत्पीड़न के मामलों में हो रही वृद्धि महिलाओं कपड़ो से जुड़ी हुई है।

'एक्सियोस ऑन एचबीओ' दो दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा, 'अगर महिला बहुत कम कपड़े पहनती है, तो इसका पुरुषों पर असर होगा, हां अगर वे रोबोट हैं तो ऐसा नहीं होगा। यह कॉमन सेंस की बात है।' इमरान खान की इस घटिया टिप्पणी ने दुनियाभर की आलोचनाओं को न्यौता दिया है और अब सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया है। विपक्षी नेता और पत्रकार जमकर उनकी आलोचना कर रहे हैं। इंटरनेशनल कमिशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स की साउथ एशिया की कानूनी सलाहकार रीमा ओमर ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री इमरान खान का पाकिस्तान में यौन हिंसा के कारणों पर आया बयान बेहद निराशाजनक है जिसमें एकबार फिर उन्होंने पीड़ित को ही दोषी ठहराया है। यह साफ रूप से घटिया है।'

हालांकि, डिजिटल मीडिया पर पीएम के फोकल पर्सन डॉ अर्सलान खालिद ने कहा कि उनके बयान को संदर्भ से बाहर ले जाकर ये ट्वीट किए जा रहे हैं। डॉ अर्सलान खालिद ने ट्वीट कर कहा कि खआन की आधी बात को काटकर संदर्भ से बाहर ले जाकर ट्वीट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि हम किस तरह के समाज में रहते हैं और उन्होंने समाज में यौन निराशा के बारे में बात की है।

पहले भी दिए हैं घटिया बयान

क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने इससे पहले पाकिस्तान में हो रही यौन हिंसा के मामलों में हो रही वृद्धि के पीछे अश्लीलता को जिम्मेदार ठहराया था। लाइव टेलीविजन पर एक इंटरव्यू में, पीएम इमरान खान ने कहा था, 'पर्दे की यह पूरी अवधारणा प्रलोभन से बचने के लिए है। हर किसी के पास इससे बचने की इच्छाशक्ति नहीं है।' इमरान खान बलात्कार और यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकने के लिए उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। अप्रैल में खान की टिप्पणियों के बाद, सैकड़ों लोगों ने एक बयान पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें खान से उनके विचारों के लिए माफी मांगने की मांग की गई थी। पाकिस्तान द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर 24 घंटे में बलात्कार के कम से कम 11 मामले सामने आते हैं। पिछले छह वर्षों में पुलिस में ऐसे 22,000 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, पाकिस्तान में बलात्कार के दोषियों की सजा की दर बेहद कम 0.3 प्रतिशत है।

अशरफ गनी और अब्दुल्ला से 25 जून को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

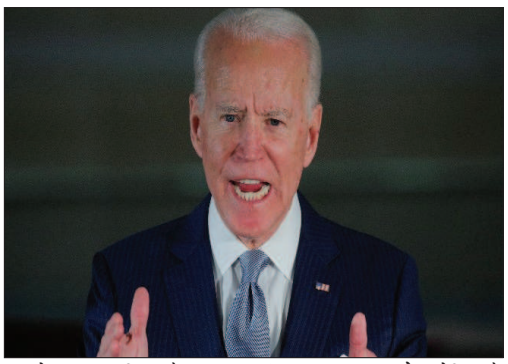

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और वहां की राष्ट्रीय सुलह उच्च परिषद (हाई काउंसिल फॉर नेशनल रिकंसिलिएशन) के अध्यक्ष डॉ अब्दुल्ला अब्दुल्ला से 25 जून को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने रविवार को कहा, ''राष्ट्रपति गनी और डॉ अब्दुल्ला की यात्रा (अफगानिस्तान में नाटो) सैनिकों की संख्या कम किए जाने के बीच अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच स्थायी साझेदारी को रेखांकित करेगी।''

उन्होंने कहा, ''बाइडन 25 जून को व्हाइट हाउस में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और राष्ट्रीय सुलह उच्च परिषद के अध्यक्ष डॉ अब्दुल्ला अब्दुल्ला का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'' साकी ने कहा कि अमेरिका, अफगान महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों सहित अफगान नागरिकों का समर्थन करने के लिए राजनयिक, आर्थिक और मानवीय सहायता प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका अफगानिस्तान सरकार के साथ संवाद बनाए रखेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश फिर से उन आतंकवादी समूहों के लिए पनाहगाह न बन जाए, जो अमेरिका के लिए खतरा पैदा करते हैं। साकी ने कहा, ''अमेरिका जारी शांति प्रक्रिया का पूरी तरह से समर्थन करता है और सभी अफगान पक्षों को संघर्ष समाप्त करने के लिए वार्ता में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आर्मीनिया में चल रहे संसदीय चुनाव, प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान की पार्टी को बढ़त

येरेवान (आर्मीनिया)। (एजेंसी)।

आर्मीनिया के संसदीय चुनाव के शुरुआती नतीजों में प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे चल रहे हैं। देश के

निर्वाचन आयोग ने रविवार को बताया कि आठ प्रतिशत मतों की गिनती के बाद, निकोल पशिनयान की 'सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी' को करीब 62 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट कोचरयान की पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं। प्रधानमंत्री पशिनयान ने नवम्बर में हुए शांति समझौते के बाद जनता के रोष को शांत करने के लिए समय से पहले ही रविवार को चुनाव कराने का आह्वान किया था।

पिछले कई महीने से प्रदर्शनकारी पशिनयान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। रूस की मध्यस्थता से हुए समझौते से आर्मीनिया और अजरबैजान की सेना के बीच छह सप्ताह से चल रही जंग खत्म हो गयी , लेकिन अजरबैजान ने नागोर्नो-काराबाख के बड़े हिस्से तथा आसपास के इलाके पर अपना नियंत्रण बना लिया, जहां पिछले कई वर्षों से आर्मीनिया की सेना का कब्जा था। राजनीतिक उठापठक के बावजूद रविवार को केवल 49 प्रतिशत ही मतदान हुआ। समय से पहले चुनाव के लिए पशिनयान प्रधानमंत्री पद से हट गए थे और वह वर्तमान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं। चुनावी मैदान में 21 राजनीतिक दल और चार गठबंधन हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला दो राजनीतिक शक्तियों-पशिनयान के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ 'सिविक कॉन्ट्रैक्ट पार्टी' और पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट कोचरयान के 'आर्मीनिया अलायंस' के बीच है।

परमाणु समझौते को लेकर ईरान और पांच शक्तिशाली देशों के राजनयिकों की वियना में हुई बैठक

वियना। (एजेंसी)।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 2015 में किए गए ऐतिहासिक परमाणु समझौते को दोबारा लागू करवाने को लेकर रविवार को ईरान और दुनिया के पांच शक्तिशाली देशों के राजनयिकों के बीच बातचीत हुई। ईरान के कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख इब्राहिम रईसी की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद रविवार को इस तरह की यह पहली आधिकारिक बैठक थी। बैठक में शामिल कई राजनयिकों ने कहा कि उन्होंने जिन मुद्दों पर बातचीत की है, उन्हें संबंधित देशों की सरकारों द्वारा मंजूरी मिलना जरूरी है। बैठक में इस बात को लेकर भी चिंता जताई गयी कि ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति परमाणु समझौते को दोबारा लागू करवाने में अड़चन पैदा कर सकते हैं।

चीन, जर्मनी, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और ईरान के वरिष्ठ राजनयिकों ने ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना के एक होटल में छठे दौर की बातचीत के तहत अंतिम बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता करने वाले यूरोपीय संघ के अधिकारी एनरिक मोरा ने संवाददाताओं सेकहा, '' हम एक समझौते के करीब पहुंच गए हैं, लेकिन अब तक उसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हमने समझौते के कई तकनीकी पहलुओं पर सार्थक चर्चा की है। समझौते के तकनीकी पहलुओं से जुड़े हुए दस्तावेज पहले से अधिक स्पष्ट हुए हैं। इसके कारण हमें यह पता चल सका है कि समझौते में बाधा बन रही राजनीतिक समस्याएं क्या हैं।'' मोरा ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। इस बातचीत के लिए रूस के शीर्ष प्रतिनिधि मिखाइल उल्यानोव ने शनिवार को एक ट्वीट में लिखा कि संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के सदस्य वियना में होने वाली वार्ता में आगे की योजना पर फैसला करेंगे।

हालांकि, ईरान परमाणु समझौते को दोबारा लागू करने के लिए योजना करीब-करीब तैयार कर ली गयी है, लेकिन इसको लेकर अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराग्ची ने रविवार को कहा कि जेसीपीओए समझौते के लगभग सभी दस्तावेजों को लेकर बेहतर बातचीत हुई और इसमें शामिल राजनयिक शीघ्र ही अपने गृह देशों की ओर लौट आएंगे। राजनयिक अब अपने-अपने देशों की सरकारों से न सिर्फ सलाह-मशविरा करेंगे बल्कि अंतिम फैसले के लिये भी चर्चा करेंगे। ईरान की अर्ध सरकारी संवाद समिति मेहर के मुताबिक, अराग्ची ने कहा, 'अब हम ऐसी स्थिति में हैं कि हमें लगता है कि समझौते के दस्तावेज लगभग तैयार कर लिए गए हैं। कुछ मुद्दों पर विवाद बना हुआ है जबकि कुछ मुद्दे सुलझा लिए गए हैं।'

वियना में होने वाली वार्ता में अमेरिका शामिल नहीं हुआ, क्योंकि 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐतिहासिक परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर करने और ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने हालांकि कुछ शर्तों के साथ परमाणु समझौते में दोबारा शामिल होने की इच्छा जाहिर की है। वियना में अमेरिका का एक प्रतिनिधिमंडल अन्य देशों के राजनयिकों के जरिए ईरान के साथ अप्रत्यक्ष रूप से बातचीत में शामिल हो रहा है। ईरान के कट्टर न्यायपालिका प्रमुख इब्राहिम रईसी की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद रविवार को हुई इस तरह की यह पहली मुलाकात थी। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के कारण वियना में हुई बैठक को अधिक तवज्जो नहीं दी गयी।

रईसी के सत्ता में आने से ईरान में कट्टरपंथियों का वर्चस्व बढ़ जाएगा क्योंकि उन्हें देश के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का काफी नजदीकी माना जाता है। रईसी ईरान के पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे जिन पर अमेरिका 1988 में बड़े पैमाने पर लोगों को फांसी देने के कार्य में शामिल होने का आरोप लगाकर प्रतिबंध लगा चुका है। ईरान तेजी से यूरेनियम संवर्धन के कार्य में जुटा हुआ है, हालांकि हथियार बनाने से वह अभी दूर है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक की हत्या के बाद इजराइल और अमेरिका के साथ उसके संबंध बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजराइल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने परमाणु समझौते में शामिल देशों को रविवार को आगाह करते हुए कहा कि रईसी का ईरान का नया राष्ट्रपति चुना जाना अंतिम अवसर है जब वैश्विक शक्तियां संभल जाएं और इस बात पर गौर करें कि वे किसके साथ बातचीत कर रहे हैं। बेनेट ने ईरान के नेताओं की निंदा करते हुए कहा, 'ये लोग हत्यारे हैं। इन्होंने सामूहिक तौर पर लोगों की हत्याएं की हैं। इन लोगों के पास ऐसे हथियार नहीं आने चाहिए, जिससे कि यह लाखों लोगों की हत्याएं कर सकें।' दरअसल, इजराइल लंबे समय से यह कहता आया है कि वो अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता है और उसे परमाणु हथियार बनाने नहीं देगा। इस बीच, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रईसी के ईरान के नये राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने से वियना में हुई बातचीत प्रभावित नहीं होगी।

संपादकीय

पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन

पिछले चौदह वर्षों में पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन अगर दोगुना हुआ है, तो यह दुख और चिंता की बात है। पृथ्वी ज्यादा तेजी से गरम हो रही है, जिससे जलवायु परिवर्तन का संकट और बढ़ा है। पृथ्वी के ऊर्जा संतुलन और उसमें आ रहे बदलाव को जानने के लिए नासा और यूएस नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के अध्ययन में यह तथ्य उजागर हुआ है। शोध के नतीजे जर्नल जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित हुए हैं। हम सब जानते हैं कि पृथ्वी का तापमान एक नाजुक संतुलन से निर्धारित होता है। पृथ्वी निश्चित मात्रा में सूर्य की विकिरण ऊर्जा हासिल करती है और फिर इन्फ्रारेड तरंगों के रूप में अतिरिक्त ऊष्मा अंतरिक्ष में उत्सर्जित कर देती है। ऊर्जा असंतुलन का अर्थ है- धरती ऊर्जा प्राप्त कर रही है, जिससे यह ग्रह गरम हो रहा है।

नासा और एनओएए के वैज्ञानिकों ने ऊर्जा असंतुलन को मापने के लिए दो विधियों से मिले आंकड़ों की तुलना की है। इसके नतीजे एक जैसे आए। ये परिणाम सटीक अनुमान लगाने में सक्षम बनाते हैं कि बढ़ता ऊर्जा असंतुलन एक वास्तविक घटना है, कल्पना नहीं। ऊर्जा असंतुलन से लगभग 90 फीसदी अतिरिक्त ऊर्जा समुद्र को गरम कर रही है, इसलिए आने और जाने वाली विकिरण के समग्र रुझान यही निर्धारित करते हैं कि बदलावों के चलते समुद्र गरम हो रहा है। शोध के प्रमुख लेखक और नासा से जुड़े नॉर्मन लोएब कहते हैं कि यह रुझान एक मायने में काफी चेतावनी भरा है। इंसानी गतिविधियों के चलते ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि, जैसे कॉर्बन डाईऑक्साइड और मिथेन के कारण तापमान गरम हुआ है। ये गैस गरमी को वातावरण में ही पकड़ लेती हैं। बाहर जाने वाली विकिरणों के रुक जाने से वे वापस अंतरिक्ष में नहीं जा पातीं। शोध के अनुसार, वार्मिंग के चलते अन्य बदलाव भी आते हैं। जैसे, जलवाष्प में वृद्धि, बर्फ का ज्यादा पिघलना, बादलों व समुद्री बर्फ में कमी आना आदि। पृथ्वी के ऊर्जा असंतुलन में इन सभी कारकों का सीधा असर है। इस असंतुलन को मापने के लिए वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट से मिले आंकड़ों, बादलों में परिवर्तन, गैसों के योगदान, सूर्य की रोशनी और महासागरों में लगे सेंसर्स सिस्टम का उपयोग किया है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि प्रशांत महासागर के दीर्घकालिक महासागरीय उतार-चढ़ाव के कारण ठंडे चरण से गरम चरण में उछाल भी ऊर्जा असंतुलन की तीव्रता का परिणाम है। पृथ्वी के सिस्टम में स्वाभाविक रूप से होने वाली यह आंतरिक परिवर्तनशीलता मौसम और जलवायु पर दूरगामी प्रभाव डाल सकती है। लोएब यह भी चेतावनी देते हैं कि यह शोध दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन के सापेक्ष केवल एक स्नैपशॉट है। किसी भी निश्चितता के साथ भविष्यवाणी करना संभव नहीं है कि आने वाले दशकों में पृथ्वी के तापमान संतुलन में कैसी गति रहेगी। हालांकि, शोध का निष्कर्ष यही है कि जब तक गरमी की रफ्तार कम नहीं होगी, तब तक वातावरण में बदलाव होता रहेगा। वाशिंगटन के सिएटल में नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के पैसिफिक मरीन एनवायर्नमेंटल लेबोरेट्री से जुड़े व शोध के सहलेखक ग्रेगरी जॉनसन कहते हैं, पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए इस ऊर्जा असंतुलन के परिणामों का अवलोकन महत्वपूर्ण है।

तीसरी लहर का अंदेशा

जैसा कि कोरोना की पहली लहर के साथ हुआ था ठीक वैसा ही दूसरी लहर के साथ भी होता दिख रहा है। पहली लहर को भी समय से पहले खत्म मान लिया गया था और लोग बेपरवाह होकर कोविड़ उपयुक्त व्यवहार की सारी सावधानियां भूलकर जीवन जीने लगे थे, इस लापरवाही के कारण पहले से भी प्रबल होकर दूसरी हाहाकारी लहर आई और उसने संक्रमण और मौतों के ऐसे झंझावात में ड़ाला कि सबको लगने लगा कि उनका भी नंबर कभी भी आ सकता है। बड़ी मुश्किल से हालात काबू में आए हैं। दिल्ली सहित अन्य राज्यों में भी एक एक करके लॉकड़ाउन हट रहा है या ढीलें दी जा रही हैं जिससे जीवन सामान्य हो सके। लेकिन विशेषज्ञ लगातार हिदायतें दे रहे हैं कि अनलॉक के बाद लोग कोरोना अनुशासन न तोड़ें अन्यथा तीसरी लहर का सामना करना पड़ सकता है। इधर दिल्ली के सदर बाजार से जो तस्वारें सामने आई हैं और अनलॉक के बाद पहले वीकेंड़ पर लोगों के शॉपिंग मॉल्स में उमड़ पड़ने से जो हालात बने हैं, उससे जो तीसरी लहर का आना अवश्यंभावी प्रतीत होता है। लोग छोटे- छोटे बच्चों को लेकर जेल से छूटे कैदियों की तरह घरों से निकल पड़े हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने आगाह किया है कि कोविड़ उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया गया और बाजारों में भीड़भाड़ नहीं रोकी गई तो तीसरी लहर छह से आठ सप्ताह में ही दस्तक दे सकती है। संक्रमण के मामलों में बड़ी वृद्धि होने पर निगरानी कड़ी करने और जरूरत पड़ने पर खास इलाकों में लॉकड़ाउन की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया है। हालांकि राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर पर तीसरी लहर से निपटने की तैयारियां कर रही हैं। दिल्ली में तो सरकार दावा कर रही है कि 45000 रोगियों तक का सुचारु उपचार संभव है लेकिन जैसी कि आशंका जताई जाती रही है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए अधिक खतरनाक होगी। महाराष्ट्र में तो दूसरी लहर में ही बच्चों में संक्रमण के देश भर में सर्वाधिक मामल सामने आए हैं, अनेक बच्चों में तो ब्लैक फंगस के गंभीर मामले भी पाए गए हैं।

परिधि/राजीव मंडल

सियासत को सिरहाने रखिए

दो बच्चों वाले मसले पर एक बार फिर देश की सियासत गर्माने की आशंका तेज हो गई है। ताजातरीन पहल की है कुछ दिन पहले असम में मुख्यमंत्री पद संभालने वाले हिमंत बिस्व सरमा की भाजपा सरकार ने। सरमा कहते हैं कि सरकार कुछ विशेष सरकारी योजनाओं का लाभ देने में दो बच्चा नीति लागू करेगी। उत्तर प्रदेश में भी कुछ इसी तरह की नीति लागू करने की बात सामने आई है। राज्य विधि आयोग ने उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून का मसौदा बनाना शुरू कर दिया है। सीधे अर्थों में उत्तर प्रदेश में सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हीं लोगों को दिया जाएगा, जो दो बच्चों की नीति का पालन करेंगे। खास बात यह है कि हिमंत बिस्व सरमा पांच भाइयों वाले परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

आम लोगों के लिए भले यह धुर राजनीति का विषय लगता होग किंतु प्रमुख रूप से यह देश की सबसे विकट समस्याओं में से एक है। जरूरत से ज्यादा जनसंख्या का होना किस तरह प्रकृति और तमाम कृत्रिम संसाधनों पर बोझ है; इसे समझना विज्ञान का कोई अत्यंत गूढ़ विषय थोड़े न है। आज 133 अरब जनसंख्या वाले हमारे देश में आबादी के इस जबरदस्त विस्फोट पर लगाम लगाना समय की मांग है और यह देश व समाज के हित में अब बहुत जरूरी हो गया है। कोरोना की 'दूसरी संहारक लहर' में देश की स्वास्थ्य सुविधाओं की बेबस और जर्जर स्थिति से तो हर कोई वाकिफ होगा। उस वक्त यह दलील भी जोर-शोर से प्रचारित हुई कि अगर देश की जनसंख्या कम होती तो न आम जन इस तरह मरते और न अस्पतालों की हालत खस्ता होती। ठीक भी है। कम जनसंख्या में सुविधाओं का अकाल नहीं होता। हर किसी को सभी उपलब्ध संसाधन भी प्राप्त होते हैं। किंतु जिस देश में राष्ट्र को मजबूती देने का मामला भी राजनीति की मिक्सी में पीसा जाए तो ऐसे में क्या होगा? अनियंत्रित और बेहिसाब बढ़ रही जनसंख्या को रोकना कहीं से भी राजनीतिक मसला नहीं है क्योंकि हर किसी को यह बात अपने दिलोदिमाग में बिठा लेनी चाहिए कि जनसंख्या वृद्धि की यही रफ्तार चलती रही तो हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुविधाओं और संसाधनों से वंचित करके हर चीज की लंबी लाइन में लगने के लिए मजबूर कर देंगे। अलबत्ता, होना तो यह चाहिए कि इस विषय पर एक समान समझ की नीति बने और सख्ती व पारदर्शिता के साथ इसे लागू किया जाए। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति तो तभी होगी न जब देश बचेगा।

देश में एक धर्म नीति हो

विनीत नारायण

जब देश में विदेश, रक्षा, उद्योग, शिक्षा, पर्यावरण आदि की नीतियां बनती हैं, तो धर्म नीति क्यों नहीं बनती? सम्राट अशोक से बादशाह अकबर तक की धर्म नीति हुआ करती थी। पं. नेहरू से मोदी तक किसी भी प्रधानमंत्री ने सुविचारित व सुस्पष्ट धर्म नीति बनाने की नहीं सोची जबकि भारत धार्मिक विविधता का देश है। हर राजनैतिक दल ने धर्म का उपयोग केवल वोटों के लिए किया है। समाज को बांटा है, लड़वाया है और हर धर्म के मानने वालों को अंधविश्वासों के जाल में पड़े रहने दिया है। उनका सुधार करने की बात कभी नहीं सोची। भारत में सगुण से लेकर निर्गुण उपासक तक रहते हैं। यहां की बहुसंख्यक आबादी सनातन धर्म को मानती है किंतु सिख, जैन, ईसाई और मुसलमान भी संविधान प्रदत्त सुरक्षा के तहत अपने-अपने धर्मों का अनुपालन करते हैं। मंदिर, गुरुद्वारे, अन्य पूजा स्थल, गिरजे और मस्जिद भारतीय समाज की प्रेरणा के स्रोत होते हैं पर इनका भी निहित स्वार्थों द्वारा भारी दुरुपयोग होता है। इससे समाज को सही दिशा नहीं मिलती और धर्म भी एक व्यापार या राजनीति का हथियार बन कर रह जाता है जबकि धर्म नीति के तहत इनका प्रबंधन एक लिखित नियमावली के अनुसार, पूरी पारदर्शिता के साथ उसी समाज के संपन्न, प्रतिष्ठित, समर्पित लोगों द्वारा होना चाहिए, किसी सरकार के द्वारा नहीं। साथ ही उन धर्म स्थलों के चढ़ावे और भेंट को खर्च करने की भी नियमावली होनी चाहिए। इस आमदनी का एक हिस्सा उस धर्म स्थल के रख-रखाव पर खर्च हो। दूसरा हिस्सा उसके सेवकों और कर्मचारियों के वेतन आदि पर। तीसरा हिस्सा भविष्य निधि के रूप में बैंक में आरक्षित रहे और चौथा हिस्सा समाज के निर्बल लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन पर खर्च हो। आजकल हर धर्म में बड़े-बड़े आर्थिक साम्राज्य खडे करने वाले धर्म गुरुओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है जबकि सच्चे धर्म गुरु वे होते हैं जो भोग विलास का नहीं, बल्कि त्याग और तपस्या का जीवन जीते हों। जिनके पास बैठने से मन में सात्विक विचार उत्पन्न होते हों-नाम, पद या पैसा प्राप्त करने के नहीं। जो स्वयं को भगवान नहीं, बल्कि भगवान का दास मानते हों। जैसा गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा है, 'मैं हूं परम पुरख को दासा देखन आयो जगत तमाशा।' जो अपने अनुयायियों को पाप कर्मों में गिरने से रोकें। जो व्यक्तियों से उनके पद-प्रतिष्ठा या धन के आधार पर नहीं, बल्कि उदय में व्याप्त ईश्वर प्रेम के अनुसार व्यवहार करें। जिनके उदय में हर जीव-जंतु के प्रति करुणा हो। जिन्हें किसी से कोई अपेक्षा न हो। इसके विपरीत आचरण करने वाला व्यक्ति चाहे कितना ही प्रसिद्ध या किसी भी धर्म का क्यों न हो, धर्म गुरु नहीं हो सकता। वो तो धर्म का व्यापारी होता है। जो वास्तव में संत हैं, उन्हें अपने नाम के आगे विशेषण लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। क्या मीराबाई, रैदास, तुलसीदास, नानक देव, कबीरदास जैसे नाम से ही उनके संतत्व का परिचय नहीं मिलता? इनका स्मरण करने मात्र से ही स्वतः श्रद्धा व भक्ति जागृत होने लगती है।

> भारत में सगुण से लेकर निर्गुण उपासक तक रहते हैं। यहां की बहुसंख्यक आबदी सनातन धर्म को मानती है किन्तु सिख, जैन, ईसाई और मुसलमान भी संविधान प्रदत्त सुरक्षा के तहत अपने-अपनेधर्मों का अनुपालन करते है। मंदिर, गुरूद्वारे अन्य पूजा स्थल गिरजे और मस्जिद भारतीय समाज की प्रेरणा के स्त्रोत होते हैं पर इनका भी निहित स्वार्थों द्वारा भारी दुरूपयोग होता है। इससे समाज को सही दिशानहीं मिलती और धर्म भी एक व्यापार या राजनीति का हथियार बन कर रह जाता है।

सभी धर्मों के तीर्थ स्थानों में तीर्थयात्रियों का भारी शोषण होता है। इस समस्या का भी हल धर्म नीति में होना चाहिए जिसके अंतर्गत स्वयंसेवी संस्थाएं और सेवानिवृत्त अनुभवी प्रशासक निस्स्वार्थ भाव से अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार अलग-अलग समूह बना कर अलग-अलग समस्याओं का समाधान करें। उल्लेखनीय है कि तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल बनाने की जो प्रवृत्ति सामने आ रही है, वो भारत की सनातन संस्कृति को नष्ट कर देगी। मनोरंजन और पर्यटन के लिए हमारे देश में सैकड़ों विकल्प हैं, जहां सब आधुनिक सुविधाएं और मनोरंजन के साधन विकसित किए जा सकते हैं। तीर्थस्थल का विकास और संरक्षण तो इस समझ और भावना के साथ हो कि वहां आने वाले के मन में स्वतः ही त्याग, साधना और विरक्ति का भाव उदय हो। तीर्थस्थलों में स्विमिंग पूल्स शराबखाने और गोल्फ कोर्स बना कर हम उनका भला नहीं करते, बल्कि उनकी पवित्रता को नष्ट कर देते हैं। इन सबके बनने से जो अपसंस्कृति प्रवेश करती है, वो संतों और भक्तों का दिल तोड़ देती है। इस बात का अनुमान शहरीकरण को ही विकास मानने वाले मंत्रियों और अधिकारियों को कभी नहीं होगा। दुनिया भर के जिज्ञासु भारत के तीर्थस्थलों में आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में आते हैं पर भौंडे शहरीकरण ने ज़ोर-ज़ोर से बजते कर्कश संगीत ने, कूड़े के ढेरों और उफनते नालों ने, ट्रैफिक की अव्यवस्था और बिजली आपूर्ति में बार-बार रुकावट के बीच सैकडवें जनरेटरों के प्रदूषण ने इन तीर्थस्थलों का स्वरूप काफी विकृत कर दिया है। मैं यह बात कब से कह रहा हूं कि धार्मिक नगरों को सजाने और संवारने का काम नौकरशाही और ठेकेदारों पर छोड़ देने से कभी नहीं हो सकता। हो पाता तो पिछले 75 सालों में जो हजारों करोड़ रुपया इन पर खर्च किया गया, उससे इनका स्वरूप कभी का निखार गया होता। करोड़ों रुपयों की घोषणा करने से कुछ नहीं बदलेगा। धर्म क्षेत्रों के विकास के लिए आवश्यकता है, आध्यात्मिक सोच और समझ की जिसका कोई अंश भी किसी सरकार की नीतियों में कहीं दिखाई नहीं देता।

सरकार का काम उत्प्रेरक का होना चाहिएग सहयोगी का होना चाहिए, अपने राजनैतिक लाभ के उद्देश्य से अपने अपरिपक्व विचारों को थोपने का नहीं। उद्योग, कला, प्रशासन, पर्यावरण, कानून और मीडिया से जुड़े आध्यात्मिक रुचि वाले लोगों की औपचारिक सलाह से इन क्षेत्रों के विकास का नक्शा तैयार होना चाहिए। धर्म के मामले में कोरी भावना दिखाने या उत्तेजना फैलाने से तीर्थस्थलों का विकास नहीं होगा। इसके लिए सामूहिक सोच और निर्णायक नीति अपनानी होगी जिसका समावेश देश की धर्म नीति में होना चाहिए।

अंतर्मन

सेवा से मिलती है अच्छाइयों की अमीरी

अमिताभ स.

'मैंने स्वप्न में देखा कि जीवन आनंद है, मैं जागा और पाया कि जीवन सेवा है, मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में ही आनंद है।'-यह कहना है नोबेल विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का। महामारी के दौर और आम दिनों में भी, सिख बिरादरी का सेवा भाव इनसानियत की मिसाल बन कर उभरा है। सेवा और लंगर ऐसी परम्परा है, जहां न जात पूछी जाती है, न धर्म। सिख समुदाय ने जाहिर कर दिया है कि मदद करने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती, उसके लिए एक नेक मन का होना अधिक आवश्यक है।

असल में, लंगर फारसी का शब्द है, शाब्दिक अर्थ है दान-धर्म का स्थल अथवा निर्धन-ज़रूरतमंदों के लिए आश्रय का बसेरा। विस्तृत अर्थ में यह एक सार्वजनिक रसोई घर है, जहां लोग ज़मीन पर बैठ कर भोजन या लंगर छक सकते हैं। लंगर में सदा शाकाहारी, सात्विक, साफ-सुथरा और सुच्चा भोजन परोसने की परम्परा है। मौजूदा ज़रूरतमंदों के मुताबिक दवाइयों और ऑक्सीजन तक के लंगर लगने लगे हैं।

लंगर के मूलमंत्र 'दिल से सेवा' पर गुरु नानक देव का एक प्रसंग है-'एक बार एक व्यक्ति ने गुरु नानक देव से पूछा, 'मैं इतना गरीब हूं कि किसी की क्या सहायता कर सकता हूं।' गुरु नानक देव सहज भाव से बोले, 'तुम गरीब हो,क्योंकि तुमने देना नहीं सीखा।' उस व्यक्ति ने जानना चाहा, 'लेकिन मेरे पास देने के लिए कुछ है कहां?' गुरु नानक देव ने समझाया, 'तुम्हारा चेहरा मुस्कान दे सकता है। तुम्हारा मुंह किसी की प्रशंसा कर सकता है। दूसरों में सुकून का अहसास जगाने के लिए मीठे वचन बोल सकता है। तुम्हारे हाथ किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकते हैं। और तुम

कहते हो कि तुम्हारे पास देने के लिए कुछ नहीं है।' सच है कि आत्मा की गरीबी ही वास्तविक गरीबी है। पाने का हक उसे ही है, जो देना जानता है। जगज़ाहिर है कि समाज में लंगर परम्परा गुरु नानक देव जी की ही देन है। उन्होंने ही करीब पांच सौ साल पहले करतारपुर साहिब (अब पाकिस्तान) से गुरु के लंगर सेवा का श्रीगणेश किया था।

मानवता की सेवा के ही भाव का संचार करता है भारतीय सेना का आदर्श वाक्य-'स्वयं से पहले सेवा।' खुद से पहले दूसरों की सेवा को अपने जीवन का संस्कार और सिद्धांत बनाने में जो आनंद है, वह अपने लिए जीने में कतई नहीं। दूसरों के जीवन में सेवा रूपी छोटी-छोटी सुगंध फैलाने के मज़बूत संकल्प से सेवादार का जीवन सफल होता है।

कई गृहिणियां अपनी घर-गृहस्थी के कामकाज निपटा कर, गुरुद्वारों में दिन-प्रतिदिन जूता सेवा, पोछा सेवा, चपाती सेवा आदि तक करती हैं। ऐसे मजबूत संकल्प के छोटे-छोटे कदम समूचे परिवार को भलाई और नेकी की तरफ ले जाते हैं। परिवार के बच्चे अपने माता- पिता को सेवा करते देखते हैं, तो उनका भी सेवा समर्पण के प्रति झुकाव होना स्वाभाविक है। कहते भी हैं कि हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई बनने से पहले आओ हम इनसान बन जाएं क्योंकि मानव की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। इसीलिए 'मानव धर्म सर्वोपरि' के पाठ को जीवन में उतारें। मानव की आत्मा ही परमात्मा है और मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है, सुकून मिलता है। सेवा के बीज बचपन से ही बोने होंगे। मनोविज्ञान भी साबित करता है कि अगर खुशी, समृद्धि और संतोष जैसे गुणों को जीवन में लाना है, तो सेवा को अपने जीवन में जोड़ना लाज़मी है।

किसी सयाने ने लिखा है, 'हर इनसान के पास चुटकी भर ताकत होती है, चुटकी भर उम्मीद, चुटकी भर मुहब्बत। तीनों बीजों की तरह हैं, जो हर इनसान के भीतर रोपे गए हैं। अगर इन्हें अपने ही भीतर बंद कर लें और दूसरे को न दें, तो सभी बीज सड़ जाते हैं और जल्दी मर जाएंगे। फिर उसके पास कुछ नहीं बचता, और जीवन जीने लायक नहीं रह जाता। अगर वह ताकत, उम्मीद और मुहब्बत दूसरों को बांटता है, तो उसके पास इनका ऐसा खजाना भर जाता है, जो कभी चुकता नहीं।'

जो इनसान मानव सेवा में लीन रहता है, वह सदा बुराइयों से दूर रहता है। अच्छाइयों का असली खजाना या अमीरी दूसरों की सेवा में ही हासिल होती है। दिल से सेवा करने से आप के घर-कारोबार में भी बरकत और समृद्धि आती है। इसलिए अपना ज्यादा से ज्यादा तन, मन, धन और समय दूसरों की सेवा में लगाना चाहिए।

सुना है कि जब तुम्हारे साथ कोई नेकी करे, तो उसे बयान करो। और जब तुम किसी के साथ नेकी करो, तो उसे भूल जाओ। सो, बगैर स्वार्थ के दूसरों का ख्याल रखिए। सेवा के भाव को अहमियत दीजिए, इससे इनसान खुद ही आत्मसम्मान के भाव से लबालब हो जाता है। सुकरात ने एक प्रसंग में बताया था कि स्वर्ग कोई बना-बनाया स्थान नहीं है। स्वर्ग अच्छे इनसान का निर्माण है। अपने भीतर जब अच्छा निर्मित हो जाता है, तो बाहर अच्छा फैल जाता है। इसलिए हर इनसान का पहला धर्म, पहली काबिलियत और पहली अहमियत सेवाभाव और मददगार इनसान बनना होनी चाहिए।

मिसाल

हे भगवान! कहां करें तेरी शिकायत

संजय मयूख

विश्व के तमाम राष्ट्रीय ध्वजों के बीच जिस प्रकार भारतीय तिरंगा आन-बान और शान से फहरता है, ठीक उसी प्रकार विश्व के तमाम नेताओं की सूची में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रियता का नया आयाम स्थापित किया है। अमेरिका की डेटा इंटेलीजेंस फर्म मॉर्निंग कंसल्ट का सर्वे बताता है कि भारत के नेतृत्व ने संकटकाल में भी अपना भरोसा दृढ़ रखा। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के मूल में एक विश्वास, अपेक्षा और उम्मीद है और जनता के इन सभी मानकों पर प्रधानमंत्री खरे उतरे हैं।

अमेरिका फर्म ने अपने सर्वे में मोदी को 66 फीसदी ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग के साथ विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं की सूची में पहला स्थान दिया है। योग दिवस से पहले आए इस सर्वे ने बताया है कि जिस तरह योग को विश्व ने सराहा है, ठीक उसी तरह मोदी की नेतृत्व क्षमता को भी विश्व ने स्वीकार किया है। विदित हो कि 177 देशों ने योग दिवस को अपना समर्थन दिया तथा योग दिवस के पूर्व यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी से ज्यादा विश्व में भारत के प्रतिनिधित्व को व्याख्यायित करता है।

कोरोना महामारी के दो साल व विश्व की चरमराती अर्थव्यवस्था के बीच विपक्षी दलों के लगातार नकारात्मक प्रचार के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी को सूची में शीर्ष स्थान मिला है। यह रेखांकित करता है कि भारत की सरकार ने कोरोना की लड़ाई को गंभीरतापूर्वक लड़ा है। तथ्य है कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान देश भर की स्वास्थ्य व्यवस्था पर काफी दबाव रहा लेकिन केंद्र सरकार के उचित फैसलों के चलते कोरोना के मामले जल्द ही नियंत्रण में आ गए। भीषण महामारी के कठिन दौर में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखीग यह एक तबके के लिए हैरत में पड़ने के साथ-साथ उन नेताओं को सीख भी है, जिन्होंने मोदी-विरोध को ही अपनी राजनीति बना लिया है।

सर्वविदित है कि इस महामारी ने समूचे विश्व के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर दिया। विश्व के विकसित देशों के नेतृत्व संकट के आगे हाथ खड़े करने की मुद्रा में दिखाई पड़े तो उस समय भारत का नेतृत्व कोरोना से लड़ाई को सभी मोर्चों से लड़ रहा है। गरीबों को भोजन की चिंता, गरीबों को रोजगार के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, अर्थव्यवस्था के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों और योजनाओं के साथ ही केंद्र सरकार ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में भी अभूतपूर्व सुधार किया है। बहरहाल, कोरोना ही नहीं, यदि हम मोदी सरकार के पिछले सात वर्षो के कार्यकाल को समग्र रूप में देखें, एक विश्लेषणात्मक नजरिए से सरकार की नीतियों की समीक्षा करें तो निश्चित रूप से मोदी एक स्वीकार्य नेता के रूप में दिखाई देंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि आजादी के बाद भारतीय जनमानस को प्रभावित करने में मोदी सबसे आगे रहे हैं। मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं के साथ-साथ गरीब कल्याण और सामाजिक उत्थान के कार्यक्रमों की सफलता मोदी की छवि को व्यापक रूप देती है। जब पूरा देश बंद था, आवागमन रुका था, दुनिया घरों में कैद थी और लॉकडाउन लगा था तो विषम परिस्थितियों में भी गरीब कल्याण की भावना से ओतप्रोत प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 25 करोड़ से भी अधिक लोगों को सीधे आतथक संबल देने का कार्य किया। एक-देश-एक राशन कार्ड योजना, 80 करोड़ लोगों को अनाज, किसानों को सम्मान राशि, स्वास्थ्यकतमयों की हौसलाअफजाई, आम जन को कोरोना के खिलाफ मानसिक रूप से तैयार करने जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने बेहद सहज-सरल रूप से किए।

अनुच्छेद 370, नागरिकता संशोधन कानून, तीन तलाक का कानून, एयर स्ट्राइक या फिर सतजकल स्ट्राइक, इन सभी से प्रधानमंत्री मोदी हरेक बार जनता को विश्वास दिलाने में सफल रहे कि देश का नेतृत्व सुरक्षित और देश सेवा के प्रति समतपत रहने वाले के हाथ में है। इंफ्रास्ट्रक्चर, आतथक सुधार के बड़े फैसलों के साथ ही कारगर विदेश नीति ने प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक लोकप्रियता को बनाए रखने में महद्यवपूर्ण भूमिका निभाई है। अमेरिका को हाइड्रोक्लोरोक्विन देने के अलावा दुनिया के देशों को कोरोना का टीका 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के तहत भेजकर मोदी सरकार ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' को स्थायी और अक्षुण्ण रखा है। प्रधानमंत्री मोदी आम जन से सीधे जुड़ते हैं। सीधे संवाद में यकीन रखते हैं। अनेकानेक गुणों, क्षमताओं और विशेषताओं से उनका व्यक्तित्व परिपूर्ण है। नितवाद रूप से वे लोकप्रियता के सर्वोच्च शिखर पर बने रहने की काबिलियत आत्मसात किए हुए हैं। भारत के लिए बेहद गौरव का विषय है कि देश के नेतृत्व की सराहना वैश्विक स्तर पर हो रही है।

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी है।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिज़ाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(सेरामाइड)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(अल्फा हाइड्रोसी एसिड)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(विटामिन)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(सनस्क्रीन)- त्वचा को रोजमर्रा में यूीवए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 230.01 अंक करीब 0.44 फीसदी मजबूत होकर 52,574.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 63.15 अंक तकरीबन 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,746.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब 4 फीसदी की तेजी के साथ सबसे ज्यादा लाभ में एनटीपीसी के शेयर रहे। इसके अलावा टाइटन, एसबीआई, एचयूएल, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट में भी अच्छी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर मारुति, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एल एंड टी के शेयर नीचे आये हैं। शुरूआती कारोबार में गिरावट के बाद बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीददारी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में सुधार से घरेलू शेयर बाजार वैश्विक स्तर से मिले कमजोर रुख के बाद भी बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना आम बैठक से पहले कंपनी का शेयर मजबूत हुआ और बाजार को संभलने में मदद मिली। इसके साथ ही वाहन और आईटी को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख खंडवार सूचकांक नुकसान से उबरते हुए लाभ में रहे।'' कारोबार के दौरान एक बार फिर छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों की ओर निवेशकों का रुझान रहा।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने कार्लाइल सौदे पर सेबी के आदेश के खिलाफ सैट का रुख किया

नई दिल्ली:

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने सेबी के उस आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील की है, जिसमें बाजार निमायक ने कार्लाइल समूह के साथ प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए के सौदे में शेयरधारकों के मतदान पर आगे बढ़ने से रोक दिया था। नियामक ने कंपनी को निर्देश दिया था कि वह संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मूल्यांकन की प्रक्रिया को पूरा करे। इस सौदे के समाधान के लिए शेयरधारकों की वोटिंग 22 जून को होनी थी। नियामक ने कहा कि यह कंपनी के संविधान से बाहर की बात है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया, कृपया ध्यान दें कि कंपनी ने 18 जून 2021 को सेबी द्वारा जारी पत्र के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष एक अपील दायर की है। एक प्रॉक्सी एडवाजरी (बाहरी निवेश-परामर्शदात्री) कंपनी सहित कुछ हलकों से चिंता जताए जाने के बाद सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक की इस सौदे पर नजर है। इस सौदे के तहत अंततः कार्लाइल समूह पंजाब नेशनल बैंक की अनुषंगी पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस का नियंत्रण हासिल करेगा।

भारत बना दुनिया का 5वां सबसे बड़ा एफडीआई प्राप्तकर्ता, 2020 में आया 64 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

संयुक्त राष्ट्र:

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में भारत में 64 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया और विदेशी निवेश के लिहाज से उसका दुनिया में पांचवां स्थान रहा। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि देश में कोविड-19 की दूसरी लहर का प्रकोप अर्थिक गतिविधियों पर काफी गहरा था लेकिन मजबूत बुनियादी तत्व मध्यम अवधि के लिए उम्मीद पैदा करते हैं। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) द्वारा सोमवार को जारी विश्व निवेश रिपोर्ट 2021 में कहा गया कि वैश्विक एफडीआई प्रवाह महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है और यह 2020 में 35 प्रतिशत गिरकर 1500 अरब अमरीकी डालर से घटकर 1,000 अरब अमरीकी डालर रह गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि दुनिया भर में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन ने मौजूदा निवेश परियोजनाओं को धीमा कर दिया, और मंदी की आशंका के चलते बहुराष्ट्रीय उद्यमों को नई परियोजनाओं का फिर से आंकलन करने को मजबूर किया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में एफडीआई 2020 में 27 प्रतिशत बढ़कर 64 अरब अमरीकी डालर हो गया, जो 2019 में

51 अरब अमरीकी डालर था। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उद्योग में अधिग्रहण से भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा एफडीआई प्राप्तकर्ता बन गया।

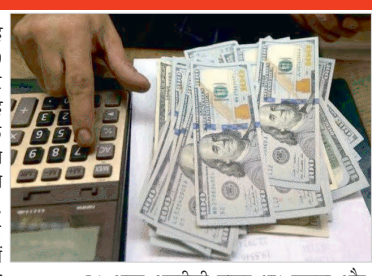

ताजा सोदों की लिवाली से सोयाबीन वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली: हाजिर मांग में तेजी के कारण व्यापारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोयाबीन की कीमत 320 रुपए की तेजी के साथ 6,839 रुपए प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के जुलाई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 320 रुपए अथवा 4.91 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,839 रुपए प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 37,730 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार की मांग में तेजी को देखते हुए सटोरियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली से वाायदा कारोबार में सोयाबीन कीमतों में तेजी आई। सोयाबीन के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 305 रुपए अथवा 4.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,491 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 8,770 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

मारुति सुजुकी की कारें होंगी महंगी, जुलाई-सितंबर में बढ़ने वाली हैं कीमतें

बिजनेस डेस्क: देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को कहा कि कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते वह चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। एमएसआई ने शेयर बाजार को बताया, ''पिछले एक साल में विभिन्न कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कंपनी के वाहनों की लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में कंपनी के लिए कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए उपरोक्त अतिरिक्त लागत का कुछ प्रभाव ग्राहकों पर डालना अनिवार्य हो गया है।'' कंपनी ने अभी यह नहीं बताया कि कीमतों में कितनी बढ़ोतरी की जाएगी। कंपनी ने कहा कि कीमतों में वृद्धि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर अवधि) में की जाएगी और यह विभिन्न मॉडलों के लिए अलग-अलग होगी। 16 अप्रैल को मारुति सुजुकी ने अपने मॉडल्स की एक्स शोरूम दिल्ली कीमतों में 1.6 फीसदी की औसत वृद्धि की थी। 18 जनवरी 2021 को कंपनी ने चुनिंदा मॉडल्स की कीमत 34000 रुपए तक बढ़ाई थी।

फ्लेक्स-फ्यूल इंजनों को लेकर आठ से 10 दिन में फैसला ले लिया जाएगा: गडकरी

नई दिल्ली:

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि सरकार ऑटोमोबिल उद्योग के लिए फलेक्स-फ्यूल इंजनों को अनिवार्य करने पर विचार कर रही है और अगले आठ से 10 दिनों में इन इंजनों को लेकर फैसला ले लिया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इस कदम से किसानों को मदद और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। गडकरी ने रोटरी जिला सम्मेलन 2020-21 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि वैकल्पिक ईंधन इथेनॉल की कीमत 60-62 रुपए प्रति लीटर है जबकि देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर से ज्यादा है। इसलिए इथेनॉल के इस्तेमाल से देश के लोग 30-35 रुपए प्रति लीटर की बचत करेंगे। उन्होंने कहा, मैं परिवहन मंत्री हूं, मैं उद्योग के लिए आदेश जारी करने जा रहा हूं कि केवल पेट्रोल से चलने वाले इंजन नहीं होंगे, हमारे पास फलेक्स-फयूल इंजन होंगे। लोगों के पास विकल्प होगा कि वे 100 प्रतिशत कच्चा तेल या 100 प्रतिशत इथेनॉल में किसका इस्तेमाल करें। मंत्री ने कहा, मैं आठ से 10 दिनों में फैसला लूंगा और हम इसे (फलेक्स-फयूल इंजन) ऑटोमोबिल उद्योग के लिए अनिवार्य कर देंगे। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि ब्राजील, कनाडा और अमेरिका में ऑटोमोबिल कंपनियां फलेक्स-फ्यूल इंजन का उत्पादन कर रही हैं जिससे ग्राहकों को 100 प्रतिशत पेट्रोल या 100 प्रतिशत जैव-इथेनॉल के इस्तेमाल का विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। फ्लेक्स-फ्यूल इंजन एक से ज्यादा ईंधन से चलने वाला इंजन होता है। इसमें आमतौर पर इथेनॉल या मिथेनॉल ईंधन के मिश्रण वाले पेट्रोल का इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 20 प्रतिशत इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने का लक्ष्य हासिल करने की समयसीमा पांच साल पीछे कर 2025 कर दी गयी है। इसका मकसद प्रदूषण को कम करना और आयात पर निर्भरता को घटाना है। पहले 2030 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण का लक्ष्य रखा गया था। गडकरी ने कहा कि इथेनॉल पेट्रोल से ज्यादा बेहतर ईंधन है और यह आयात का विकल्प है, लागत प्रभावी है, प्रदूषण मुक्त है तथा स्वदेशी है।

5जी पर ट्राई से सुझाव लेगा दूरसंचार विभाग

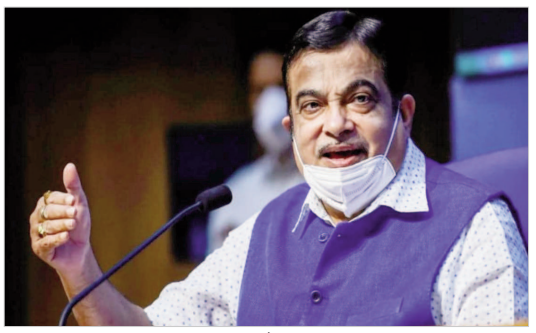

नई दिल्ली:

दूरसंचार विभाग (डीओटी) शीघ्र ही 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से सुझाव लेगा। विभाग मिलीमीटर तरंगों या 2,600-2,800 मेगाहट्र्ज बैंड की कीमत अनुसंधान पर भी विचार देने के लिए कहेगा। ये तरंगें हाई फ्रिक्वेंसी के लिए अधिक अनुकूल हैं। 5जी नीलामी में एमएम तरंगों के साथ साथ 3,300 मेगाहट्र्ज से 3,600 मेगाहट्र्ज के बैंड शामिल होंगे। 5जी स्पेक्ट्रम के लिए आधार मूल्य करीब 3.63 लाख करोड़ रुपए है। पिछली नीलामियों में अनबिके स्पेक्ट्रम की आधार कीमत को घटाने के बारे में पूछे जाने पर विभाग ने कहा कि डीओटी के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सरकार किसी प्रकार की कीमत कटौती की मांग नहीं करेगी और इसका निर्णय विनियामक को लेना है। एक अधिकारी ने कहा, %हम शीघ्र ही ट्राई को अपना प्रस्ताव भेज देंगे, हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है। हाल के दौर की नीलामी में देखा गया था कि रिलायंस जियो ने पेशकश किए गए स्पेक्ट्रम में से 50 फीसदी से अधिक को लपक लिया था। यह नीलामी दशक में सबसे छोटी नीलामी थी। कंपनी ने 57,122.65 करोड़ रुपए का भुगतान किया था जिसकी 60 फीसदी रकम 800 मेगाहट्र्ज बैंड को खरीदने पर खर्च हुई थी। नीलामी में सरकार की ओर पेश किए गए समूचे स्पेक्ट्रम की बिक्री आधार कीमत पर हो गई थी। भारती एयरटेल ने 18,698.75 करोड़ रुपए का स्पेक्ट्रम खरीदा था और इसकी खरीद का बड़ा हिस्सा 2,300 मेगाहट्र्ज बैंड में था। नीलामी में वोडफोन आइडिया ने 574 करोड़ रुपए खर्च किया था। 2,308 मेगाहट्र्ज के कुल उपलब्ध स्पेक्ट्रम में से 855.60 मेगाहट्र्ज की बिक्री नीलामियों में की गई थी। मात्रा की दृष्टि से कुल 37 फीसदी और मूल्य के लिहाज से 19 फीसदी स्पेक्ट्रम की बिक्री हुई थी। पेशकश पर 800 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम के करीब 65 फीसदी और 2,300 मेगाहट्र्ज बैंड में पेश की गई वायु तरंगों में से 89 फीसदी की बिक्री की गई थी। दोनों प्रीमियम स्पेक्ट्रम 2,500 मेगाहट्र्ज और 700 मेगाहट्र्ज अनबिके रह गए थे। उद्योग ने कुछ निश्चित बैंडों में ट्राई की ओर से अनुशंसित उच्च आरक्षित मूल्य का विरोध किया था।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने ओर चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये बढ़कर 46,277 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,027 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी भी 258 रुपये बढ़कर 66,842 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 66,584 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,782 डॉलर प्रति औंस और चांदी हल्के लाभ के साथ 26.05 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक का होगा प्राइवेटाइजेशन, शेयरों में आया उछाल

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार ने प्राइवेटाइजेशन के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक का चयन किया है। इन दोनों में सरकार अपनी 51 फीसदी की हिस्सेदारी पहले चरण में बेचेगी। इस खबर से दोनों बैंकों के शेयरों में आज 20 फीसदी तक का उछाल दिखा है। ढ्ढह्रक्च के शेयर इस खबर के पहले 19.85 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे जो अचानक 19.80 फीसदी चढ़कर 23.60 रुपए पर पहुंच गए। वहीं सेंट्रल बैंक के शेयर 20 रुपए से 19.80 फीसदी चढ़कर 24.20 रुपए पर पहुंच गए। इसी तरह बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शेयर 8 फीसदी बढ़कर 27 रुपए पर जबकि बैंक ऑफ इंडिया का शेयर 7 फीसदी बढ़ कर 80 रुपए पर कारोबार कर रहा है। इन दोनों बैंको के प्राइवेटाइजेशन के लिए केंद्र सरकार बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट में बदलाव के साथ कुछ अन्य कानून में बदलाव करेगी। साथ ही आरबीआई के साथ भी चर्चा होगी। नीति आयोग ने इन दोनों बैंकों के नाम की सिफारिश थी। आयोग को निजीकरण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों और एक बीमा कंपनी का नाम चुनने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आपको बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में दो सरकारी बैंकों और एक बीमा कंपनी के प्राइवेटाइजेशन की घोषणा की थी। सराकर ने स्नङ्घ22 के लिए विनिवेश के जरिये 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने की लक्ष्य रखा है। प्राइवेट होने वाले दोनों बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक की शेयर बाजार में मार्केट वैल्यू इनके शेयर प्राइस के मुताबिक, 44,000 करोड़ रुपए है। जिसमें इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) का मार्केट कैप 31,641 करोड़ रुपए है।

ग्राहकों को नहीं होगा कोई नुकसान

बैंकों के निजीकरण से ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि जिन बैंकों का निजीकरण होने जा रहा है, उनके खाताधारकों को कोई नुकसान नहीं होगा। ग्राहकों को पहले की तरह ही बैंकिंग सेवाएं मिलती रहेंगी। दरअसल इस समय केंद्र सरकार विनिवेश पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी बेचकर सरकार राजस्व को बढ़ाना चाहती है और उस पैसे का इस्तेमाल सरकारी योजनाओं पर करना चाहती है।

चीनी नियामकों ने लौह अयस्क व्यापार की जांच शुरू की

बिजनेस डेस्क:

चीन के शीर्ष आर्थिक योजनाकार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग (एनडीआरसी) ने सोमवार को कहा कि वह और बाजार नियामक संयुक्त रूप से लौह अयस्क हाजिर बाजार की जांच कर रहे हैं और जमाखोरी पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। यह फैसला शुक्रवार को एनडीआरसी द्वारा कोयले की कीमतों में जांच-पड़ताल किए जाने की घोषणा के बाद लिया गया। इसके अलावा चीन कमोडिटी की कीमतों को कम करने के लिए भी कई कदम उठा रहा है। राज्य योजनाकार के एक बयान के अनुसार, बीजिंग आयरन ओर ट्रेडिंग सेंटर कॉरपोरेशन (कोरेक्स) के दौरे के दौरान एनडीआरसी और स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने आपूर्ति सुनिश्चित करने और लौह अयस्क की कीमतों को स्थिर करने के कार्यों पर चर्चा की।

अधिकारियों द्वारा आयोजित एक बैठक का हवाला देते हुए बयान में कहा गया, लौह अयस्क की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है और उच्च बनी हुई हैं, जिससे मध्य और डाउनस्ट्रीम कंपनियों के उत्पादन और संचालन पर दबाव पड़ रहा है। नियामकों ने कहा कि चीन हाजिर ट्रेडिंग कीमतों की बारीकी से निगरानी करेगा और समय-समय पर जांच करेगा। बयान में कहा गया है कि वे कीमतों और जमाखोरी जैसी अनियमितताओं को कड़ाई से दंडित और खुलासा करेंगे और बाजार की अच्छी व्यवस्था बनाए रखेंगे।

इंडियाफर्स्ट लाईफ ने विस्तृत सुरक्षा व बचत प्रदान करने के लिए माईक्रो बचत योजना नए अवतार में प्रस्तुत की

IndiaFirst LIFE INSURANCE

बैंक ऑफ बड़ोदा एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्रमोटेड, इंडियाफर्स्ट लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (इंडियाफर्स्ट लाईफ) ने इंडियाफर्स्ट लाईफ माईक्रो बचत योजना प्रस्तुत की है। यह नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, लिमिटेड पे, माईक्रो-लाईफ इंश्योरेंस पॉलिसी जीवन की अनिश्चितताओं से रक्षा करने के लिए सुरक्षा एवं अनुशासित बचत के दोहरे फायदे प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रतिस्पर्धी मूल्य में कम प्रीमियम के कारण यह प्लान सुरक्षा व बचत के लिए श्रेष्ठ विकल्प है। अनपेक्षित घटना की स्थिति में बीमित व्यक्ति के परिवार को वित्तीय सहायता देते हुए यह प्लान प्रीमियम चूकने के बाद भी लाईफ कवर के फायदे निरंतर देता रहता है। इसके अलावा, लिक्विडिटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके साथ पॉलिसी पर लोन की सुविधा भी मिलती है, जो 5 साल के अल्प भुगतान की शर्त पर प्राप्त की जा सकती है।

इंडियाफर्स्ट लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के डिप्टी सीईओ, रुषभ गांधी ने कहा, ''दूरदराज के इलाकों में, जहां पर आय त्रुटिपूर्ण एवं चक्रीय रूप से प्राप्त होती है, वहां ग्राहकों को माईक्रो इंश्योरेंस समाधान प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इंडियाफर्स्ट लाईफ माईक्रो बचत प्लान को अपने नए रूप में प्रस्तुत करने की हमें खुशी है। यह सुरक्षा, बचाव एवं अनुशासित बचत का उत्तम मिश्रण है। यह सरल व किफायती प्लान हमारे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) एवं कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) से प्राप्त किया जा सकता है। हम अपने विस्तृत वितरण नेटवर्क के साथ देश के 98 प्रतिशत पिनकोड्स तक पहुंचकर ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और यह नया प्लान हमें 'इंश्योरेंस फॉर ऑल' का अपना उद्देश्य पूरा करने में मदद करेगा।''

इंडियाफर्स्ट लाईफ माईक्रो बचत प्लान अपनी लोन सुविधा द्वारा बीमित व्यक्ति की लिक्विडिटी की जरूरतों का ख्याल भी रखता है। यह पॉलिसी सुविधा के अनुरूप ऑनलाईन या ऑफलाईन खरीदी जा सकती है। यह लिमिटेड प्रीमियम पेईंग एवं पार्टिसिपेटिंग प्लान 5 सालों के अल्प भुगतान की शर्त प्रस्तुत करता है और एक ही पॉलिसी में 15 सालों तक बचत व सुरक्षा प्रदान करता है।

पिकर ने पेश किया टियर-2 और टियर 3 शहरों के विक्रेताओं को सपोर्ट; 10+ क्षेत्रीय भाषाओं में ऑर्डर प्रोसेसिंग शुरू की

pickrr

नई दिल्ली। भारत में ई-कॉमर्स विक्रेताओं और डी2सी ब्रांड्स के लिए शिपिंग में क्रांतिकारी बदलाव के बाद और अपनी फिक्स लॉजिस्टिक लागतको कम करने के लिए अपने इंटेलिजेंट वेयरहाउसिंग /फुल फिलमेंट सॉल्युशनकी पेशकश के बाद ई-कॉमर्स बिजनेसे के लिए भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक और शिपिंग सॉफ्टवेयर पिकर टियर-2 और 3 शहरों के विक्रेताओं को सपोर्ट करने के लिए 10+ क्षेत्रीय भाषाओं में ऑर्डर प्रोसेसिंग की पेशकश कर रहा है।यह नया फीचर नएयुग के लोकल बिजनेस इने बलर्स, हाइपर लोकल बिजनेस एग्रीगेट र्स और व्यक्तिगत हाइपर लोकल एप्लिकेशन कोउन की स्थानीय भाषाओं में ऑर्डर डिटेल्स (ग्राहक का नाम, पता आदि) स्वीकार करने की अनुमति देगा।

छोटे विक्रेताओं के लिए अपने क्षेत्रीय भाषा सपोर्ट की शुरुआत करने पर पिकर के सह-संस्थापक और सीईओ रितिमान मजूमदारने कहा, "इस महामारी के दौरान ई-कॉमर्स उद्योग में भारी उछाल देखा जा रहा है, लेकिन भारत के टियर 2 और 3 शहरों के विक्रेता कोइ सकालाभ नहीं मिला है।मुख्य रूप से कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद भाषा अवरोधों के कारण मांग में कमजोरी महसूस कर रहे हैं।उनके व्यवसाय को निर्बाध रूप से संचालित करने और उन्हें विकास के लिए महत्वपूर्ण गति प्रदान करने में मदद करने के लिए हम उन्हें ऑर्डर डेटा इनपुट के लिए बिना किसी भाषा अवरोधके ऑर्डर प्रोसेसिंग की अनुमति दे रहे हैं।यह न केवल उन्हें अपने ग्राहकों के अनुभव को बढ़ाने और अतिरिक्त ऑर्डर प्राप्त करने की अनुमति देगा जो पहले संभव न हीं थे, बल्कि हमारे लिए भी बाजार के नए अवसर खोलेंगे।हमें उम्मीद है कि हमारे कम से कम 20% ग्राहक 2021 के अंत तक किसी न किसी क्षमता पर इस सुविधा का उपयोग करेंगे।"

विश्व चैंपियनशिप की इनामी राशि में होगा इजाफा, रूस से लिए डोपिंग जुर्माने का होगा इस्तेमाल

युगेन (अमेरिका)। विश्व एथलेटिक्स रूस से डोपिंग जुर्माने के रूप में मिले 20 लाख डॉलर का इस्तेमाल अगली दो विश्व चैंपियनशिप की इनामी राशि में इजाफा करने के लिए करेगा। महासंघ के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने रविवार को कहा कि युगेन में 2022 और हंगरी के बुडापेस्ट में 2023 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में प्रत्येक की इनामी राशि में 10 लाख डॉलर का इजाफा किया जाएगा। को ने अमेरिका ट्रैक एवं फील्ड ट्रायल के दौरान संवाददाताओं से कहा, 'मैं यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हूं कि यह राशि पाक साफ एथलीटों के हाथों में पहुंचे।% इसका मतलब हुआ कि प्रत्येक 44 स्पर्धाओं में 23000 डॉलर की अतिरिक्त इनामी राशि उपलब्ध होगी। रूस ने ट्रैक एवं फील्ड में दोबारा प्रतिस्पर्धा पेश करने के लिए जुर्माने के तौर पर 50 लाख डॉलर की राशि दी थी।

मैच अभ्यास की कमी के कारण प्रभावी नहीं रहे भारतीय तेज गेंदबाज : साइमन

उथप्पटन।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डोल के अनुसार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले मैच अभ्यास की कमी से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण प्रभावित हुआ है। साइमन के अनुसार इसी कारण भारतीय गेंदबाजों को वैसी सफलता नहीं मिली जिसकी उम्मीद थी। इस पूर्व कीवी गेंदबाज के अनुसार डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले न्यूजीलैंड टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट खेलने का लाभ मिला जबकि भारतीय टीम बिना मैच अभ्यास के इसमें उतरी थी। साइमन ने कहा, '' भारत को तैयारी का पर्याप्त मौका मिला। पिछले 10-12 दिन में उन्होंने पर्याप्त गेंदबाजी की जिससे कि सुनिश्चित हो कि वे मुकाबले के लिए तैयार रहें।'' उन्होंने कहा, ''पर मैच अभ्यास को दोहरा पाना मुश्किल है। आप अपनी ही दो टीमें बनाकर ऐसा करने का प्रयास कर सकते हो पर यह पर्याप्त नहीं होता और यह अहम है। मैच अभ्यास की जगह लेना संभव नहीं होता है क्योंकि यह आपको बेहतर बनाता है और मैचों के लिए तैयार करता है।'' साइमन ने यह बयान न्यूजीलैंड की पहली पारी में भारतीय तेज गेंदबाजों के उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन पर दिया है। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात होने के बावजूद जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा और मोहम्मद शमी अधिक स्विंग हासिल नहीं कर पाये जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों काइल जेमीसन , नील वैगनर और ट्रेंट बोल्ट ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात का पूरा लाभ उठाते हुए भारतीय टीम को अपनी पारी में 217 रनों पर ही आउट कर दिया। डोल ने कहा कि न्यूजीलैंड को निश्चित तौर पर इस प्रतिष्ठित मुकाबले से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेलने का फायदा मिला। साथ ही कहा कि इशांत शर्मा को छोड़कर भारतीय एकादश में कोई वास्तविक स्विंग गेंदबाज नहीं है। उन्होंने कहा, ''वे वास्तविक स्विंग गेंदबाज नहीं हैं। मुझे पता है कि जसप्रीत बुमराह गेंद को स्विंग करा सकता है, इशांत स्विंग गेंदबाज है, वह राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए उस कोण के साथ आता है कि कलाई से गेंद बाहर की ओर स्विंग होती है। वह गेंद को बायें हाथ के बल्लेबाजों से दूर और दायें हाथ के बल्लेबाजों के लिए अंदर लाता है।''

डोल ने कहा, ''मोहम्मद शमी कभी वास्तविक स्विंग गेंदबाज नहीं रहा। वह सीम गेंदबाज है। मेरे लिए बुमराह, शमी नहीं बल्कि इशांत अधिक महत्वपूर्ण है।''

ऊंची कूद एथलीट शंकर के पास ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का आखिरी मौका

नई दिल्ली।

भारत के ऊंची कूद एथलीट तेजस्विनी शंकर के पास शुक्रवार से पटियाला में शुरू हो रहे राष्ट्रीय इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का आखिरी मौका होगा। 23 वर्षीय शंकर जो कनसास स्टेट यूनीवर्सिटी के छात्र हैं, उन्हें टोक्यो का टिकट हासिल करने के लिए 2.33 मीटर का क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करना होगा। शंकर ने आईएएनएस से कहा, मेरा लक्ष्य 2.33 मीटर को हासिल करना होगा। मेरे लिए टोक्यो के लिए क्वालीफाई करने का यही एकमात्र रास्ता है क्योंकि मेरी रैंकिंग जो ओलंपिक में जाने के लिए दूसरा जरिया है वो इतनी अच्छी नहीं है। शंकर के सीजन का सर्वश्रेष्ठ 2.28 मीटर है जबकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.29 मीटर का है। इस महीने उन्होंने नेशनल कैलेगिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) डिविजन 1 आउटडोर ट्रैक में 2.23 मीटर का स्कोर कर रजत पदक जीता था। शंकर ने कहा, इयूगेने में 2.33 मार्क मिस होने के बाद मेरे पास एकमात्र रास्ता भारत आकर पटियाला में घरेलू मीट में हिस्सा लेना बचा था। मई में शंकर ने बिग 12 आउटडोर ट्रैक और फील्ड चैंपियनशिप में पुरुष ऊंची कूद इवेंट में 2.28 मीटर का स्कोर इसे जीता था। 2020 का संस्करण कोरोना महामारी के कारण बाधित रहा था। शंकर मार्च में फेडरेशन कप एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसलिए हिस्सा नहीं ले पाए थे क्योंकि एनसीएए इंडोर सीजन की तारीख का इससे टकराव हो रहा था।

वेसली सो नें जीता पेरिस रैपिड शतरंज का खिताब

पेरिस , फ्रांस (निकलेश जैन) अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मे लगातार ऑन द बोर्ड शतरंज की वापसी जारी है । सुपरबेट क्लासिक के बाद ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव पेरिस रैपिड और ब्लिट्ज़ मे सबसे पहले रैपिड टूर्नामेंट खेला गया है और बेहद नजदीकी मुकाबले मे रूस के इयान नेपोनियची को पीछे छोड़ते हुए यूएसए के वेसली सो ने रैपिड खिताब हासिल कर लिया है और अब उनकी नजरे रैपिड और ब्लिट्ज़ का सयुंक्त विजेता बनने पर है । 10 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर 10 खिलाड़ियों के बीच 9 राउंड खेले गए और वेसली नें 3 जीत और 6 ड्रॉ से अपराजित रहते हुए 6 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया । रूस के इयान नेपोनियची 5.5 अंक बनाकर दूसरे तो फांस के ऐटेने बकरोट 5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे , अन्य खिलाड़ियों मे फ्रांस के मकसीम लागरेव और रूस के पीटर स्वीडलर 4.5 अंक , जबकि यूएसए के लेवोन अरोनियन ,फबियानों करूआना ,हुंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव 4 अंक बना सके

डब्ल्यूटीसी फाइनल : चौथे दिन का खेल बारिश के कारण धुला

साउथम्पटन।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां द रोज बाउल में खेले जा रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले का चौथा दिन बारिश की भेंट चढ़ गया और बिना एक भी गेंद डाले स्टंप्स की घोषणा कर दी गई। चौथे दिन का खेल बारिश के कारण शुरू नहीं हो सका और और पहले सत्र का खेल पूरी तरह धुल गया। इसके बाद बीच में बारिश कुछ देर के लिए रूकी लेकिन एक बार फिर बारिश आई। पांच घंटे के इंतजार के बाद अंततः दिन के खेल को समाप्त करना पड़ा। पहले दिन का खेल भी बारिश की भेंट चढ़ा था। लेकिन फाइनल मैच के लिए 23 जून को रिजर्व डे रखा गया था जिस कारण अभी भी दो दिन का मुकाबला खेला जाना है। तीसरे दिन रविवार को भी खराब रोशनी के कारण मुकाबला समय से पहले खत्म किया गया था। भारत की पहली पारी 217 रन पर सिमटी थी और स्टंप्स तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 101 रन बनाए थे। कीवी टीम भारत के स्कोर से अभी भी 116 रन पीछे चल रही है। न्यूजीलैंड की ओर से डेवोन कॉनवे 54 रन और टॉम लाथम 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे, जबकि कीवी टीम के कप्तान केन विलियम्सन 12 रन और रॉस टेलर खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद हैं। भारत की तरफ से रविचंद्रन अश्विन और इशांत शर्मा को अबतक एक-एक विकेट मिला है।

संक्षिप्त समाचार

चिली ने कोपा अमेरिका में वायरस नियमों का उल्लंघन करना स्वीकार किया

साओ पाउलो : चिली के खिलाड़ियों ने कोपा अमेरिका के दौरान कोरोना वायरस नियमों का उल्लंघन किया जब ब्राजील के शहर सुइयाबा में टीम होटल में 'हज्जाम' खिलाड़ियों के संपर्क में आया। चिली सॉकर महासंघ ने रविवार को बयान जारी करके कहा कि वे कोपा अमेरिका में हिस्सा ले रही टीम द्वारा जैविक रूप से सुरक्षित माहौल के नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार करते हैं क्योंकि एक हज्जाम ने होटल में अनधिकृत प्रवेश किया और नेगेटिव आरटी-पीसीआर परीक्षण के बावजूद उसे खिलाड़ियों के संपर्क में नहीं आना चाहिए था। चिली महासंघ ने इस घटना से जुड़े खिलाड़ियों की संख्या और नाम का खुलासा नहीं किया है लेकिन कहा है कि उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। महासंघ ने कहा कि जिन चीजों के कारण हमें इस स्थिति का सामना करना पड़ा उसके लिए हमें खेद है और हम सूचित करते हैं कि शनिवार को टीम के सभी सदस्य वायरस के लिए नेगेटिव पाए गए।'' चिली के मीडिया समूहों ने कहा था कि मिडफील्डर आर्तुरो विडाल और डिफेंडर गैरी मेडेल होटल में अनिधकृत व्यक्ति के साथ पहुंचे। दोनों ने पिछले हफ्ते बाल कटवाने का अपना वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था जिसके बाद महासंघ ने बयान जारी किया।

ओलंपिक के दौरान 10000 स्थानीय दर्शकों को मंजूरी देने पर राजी हुआ टोक्यो

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक खेल की अयोजन समिति ने सोमवार को पुष्टि करते हुए बताया कि ओलंपिक के दौरान 10000 घरेलू दर्शकों को आयोजन स्थल पर प्रवेश की मंजूरी दी जाएगी। जापान से बाहर के दर्शकों को इसमें शामिल होने की मंजूरी नहीं है। टोक्यो आयोजन समिति ने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, सभी आयोजन स्थल पर 50 फीसदी संख्या तय की गई है और 10000 दर्शकों को इसमें शामिल होने की मंजूरी दी जाएगी। पैरालम्पिक खेलों के लिए निर्णय 16 जुलाई तक लिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति (आईपीसी), टोक्यो 2020, टोक्यो मैट्रोपोलियिन सरकार और जापान सरकार के बीच बैठक हुई। संयुक्त बयान में कहा, दर्शकों की सख्या पर प्रतिबंध जिसमें दर्शकों के बिना खेल कराए जाने पर फैसला स्टेट ऑफ इमरजेंसी या अन्य एहतियात को देखते हुए लिया जाएगा। बयान में कहा, दर्शकों से अपील की जाती है कि वे वेन्यू पर सीधे आएं और यहां से सीधे घर जाएं। प्रायद्वीप में आने जाने के दौरान जरूरी एहतियात बरतें।

पेरू ने कोपा अमेरिका में कोलंबिया को हराया

साओ पाउलो।

पेरू ने रविवार को यहां कोलंबिया को 2-1 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा है। पेरू के लिए 17वें मिनट में सर्जियो पेना ने पहला गोल दागा लेकिन 53वें मिनट में मिगुएल बोर्जा ने पेनल्टी पर गोल करके कोलंबिया को बराबरी दिला दी। कोलंबिया के डिफेंडर येरी मिना ने हालांकि 11 मिनट बाद आत्मघाती गोल करके ओलंपिक स्टेडियम में पेरू को 2-1 की बढ़त तोहफे में दे दी जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। पेरू दो मैचों के बाद ग्रुप बी में तीन अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रहा है। कोलंबिया तीन मैचों में चार अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसके सिर्फ दो मैच बचे हैं। शीर्ष पर चल रहे ब्राजील के छह अंक हैं। शीर्ष चार टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। पेरू को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में एकतरफा मुकाबले में मेजबान ब्राजील के खिलाफ 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। कोपा अमेरिका 2019 के उप विजेता पेरू को दक्षिण अमेरिका विश्व कप क्वालीफायर में भी जूझना पड़ा था। टीम को कुछ हफ्ते पहले लिमा में कोलंबिया के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। रविवार को ही एक अन्य मैच में वेनेजुएला और इक्वाडोर ने 2-2 से ड्रॉ खेला। वेनेजुएला की टीम तीन मैचों में दो अंक के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है जबकि इक्वाडोर का दो मैचों में एक अंक है। ग्रुप के बुधवार को होने वाले अगले मुकाबलों में गत चैंपियन ब्राजील का सामना कोलंबिया से होगा जबकि पेरू की टीम इक्वाडोर से भिड़ेगी।

ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी करेंगी रानी रामपाल

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने सोमवार को हॉकी इंडिया ने कुछ दिनों पहले 16 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित की थी। हालांकि, उस समय कप्तान का ऐलान नहीं किया गया था। रानी के अलावा डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का और गोलकीपर सविता पुनिया को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। रानी ने कहा, ओलंपिक में भारतीय टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। पिछले कुछ वर्षों में कप्तान के रूप में मेरी भूमिका से यह आसान हुआ। मैं इस जिम्मेदारी के लिए तैयार हूं और मुझे यह सम्मान देने के लिए मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करती हूं। हॉकी इंडिया ने कहा कि रानी ना सिर्फ अपने ऑनफील्ड प्रदर्शन के लिए बल्कि टीम में युवाओं का मार्गदर्शन करने की उनकी सहज क्षमता के लिए भी कप्तान के रूप में पहली पसंद थीं। हॉकी इंडिया ने कहा, सविता और दीप करीब एक दशक से संभावित टीम का हिस्सा हैं और लीडरशीप ग्रुप का अहम हिस्सा रहीं हैं। इन्होंने 2018 में सर्वश्रेष्ठ नौवीं रैंकिंग हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय महिला टीम ने पिछले चार वर्षों में कई बेहतरीन नतीजे दिए हैं जिसमें 2017 में एशिया कप जीतना और 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतना शामिल है। रानी के नेतृत्व में ही टीम 2018 में लंदन में हुए एफआईएच महिला विश्व कप में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

फ्रांस के फारवर्ड डेम्बेले यूरोपीय चैंपियनशिप से बाहर

पेरिस। फ्रांस के फारवर्ड ओसमाने डेम्बेले घुटने की चोट के कारण यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। फ्रांस सॉकर महासंघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। शनिवार को हंगरी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के दौरान डेम्बेले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे थे और बाद में अंतिम लम्हों के दौरान उन्हें बदल दिया गया था। इसी मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी थी। फ्रांस की टीम ने कहा कि रविवार को बुडापेस्ट के अस्पताल में डेम्बेले का एक्सरे हुआ। टीम को ध्यान में रखते हुए उबरने के लिए जितने समय की जरूरत है वह अधिक है। टीम मैदान पर उतरने के बाद सिर्फ चोटिल गोलकीपर को बदल सकती है। आउटफील्ड के खिलाड़ी को एक बार मैदान पर उतरने के बाद बदला नहीं जा सकता। डेम्बेले के बाहर होने से फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैंप्स को बाकी बचे यूरो 2020 में 25 खिलाड़ियों के बीच से टीम का चयन करना होगा।

घरेलू सीजन के कारण स्नेह ऑलराउंड प्रदर्शन कर सकीं : मिताली

ब्रिस्टल।

भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर टीम की खिलाड़ी स्नेह राणा की सराहना करते हुए कहा कि कुछ अच्छे घरेलू सीजन में खेलने से उनका मनोबल बढ़ा जिसके कारण स्नेह इस मुकाबले में ऑलराउंड प्रदर्शन कर सकीं। स्नेह पहली महिला क्रिकेटर बनीं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में चार विकेट लेने के साथ ही अर्धशतक लगाया है। स्नेह ने दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाए थे और मुकाबला ड्रॉ कराने में अहम भूमिका अदा की थी। मिताली ने क्रिकइंफो से कहा, राणा ने अच्छी वापसी की लेकिन उन्होंने इससे पहले कुछ अच्छे घरेलू सीजन खेले। मुझे यकीन है कि इससे उनका मनोबल बढ़ा होगा। उन्होंने तानिया भाटिया और शिखा पांडे के साथ अच्छे से पारी को संभाला। ये साझेदारियां हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण रही। मिताली ने कहा कि निचले क्रम पर स्नेह के योगदान ने भारत को यह मुकाबला ड्रॉ कराने में बड़ी भूमिका निभाई। मिताली ने कहा, मैं सभी डेब्यू करने वाली खिलाड़ियों से प्रभावित हूं। शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, स्नेह, तानिया और पूजा वस्त्राकर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हमें यह समझना होगा कि इन खिलाड़ियों के पास अनभव नहीं है और हम इन पर ज्यादा दबाव नहीं डाल सकते। मिताली ने कहा कि यह मुकाबला ड्रॉ होने से टीम को मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूती मिली।

ओलंपिक : मेक्सिको, अमेरिका और इटली ने महिला रिकर्व तीरंदाजी में कोटा हासिल किया

पेरिस। मेक्सिको, अमेरिका और इटली की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने अंतिम ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल किया जबकि भारतीय महिला टीम इसमें असफल रही। दूसरी सीड भारत क्वालीफाई करने के लिए मजबूत उम्मीदवार थी लेकिन उसे दूसरे राउंड में कोलंबिया के हाथों 0-6 से हार का सामना करना कर बाहर होना पड़ा। भारतीय तीरंदाजी संघ के अधिकारी ने कहा, नतीजा अप्रत्याशित था लेकिन फील्ड काफी प्रतिस्पर्धी थी। टीम इवेंट के लिए ओलंपिक में क्वालीफाई करने का अब कोई मौका नहीं है। इस क्वालीफिकेशन राउंड में 24 देशों ने हिस्सा लिया जिसमें से शीर्ष की तीन टीम को ही ओलंपिक में कोटा हासिल होना था। मेक्सिको, अमेरिका और इटली ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता। स्वर्ण पदक के मुकाबले में मेक्सिको ने अमेरिका को 5-3 से हराया। इटली ने स्पेन को 5-3 से हराकर अंतिम टीम कोटा जीता।

सूरत में खुलेआम गांजा बेचने के लिए निकले दो शख्स गिरफ्तार

पुलिस ने २१ किलोग्राम गांजा और वजन कांटा जब्त किया, गांजा उपलब्ध कराने वाला वराछा का कालु बिहारी वांटेड घोषित

सूरत।

सूरत में नशीले द्रव्यों की खुलेआम बिक्री हो रही है। यहां अक्सर लाखों रुपये की कीमत का देशी और विदेशी शराब जब्त होता है। इसके अलावा गांजा और ड्रग्स जब्त करने के कई केस सामने आते है। अब पुलिस ने २१ किलोग्राम गांजा के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यहां विशेष बात है कि दोनों व्यक्ति जानते है कि सब्जी बेचने निकलते हो इस तरीके से मोपेड पर गांजा बेचने के लिए निकलते हैं। यह केस में पुलिस ने गांजा का ज त्था उपलब्ध कराता व्यक्ति को वांटेड घोषित किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सूरत में गांजा का व्यापार के लिए कुख्यात उत्कल नगर में रहते दो युवक अपने मोपेड पर गांजा का जत्था लेकर सब्जी के जैसे बेचने के लिए निकलते थे। पुलिस को यह मामले में जानकारी मिलने पर दोनों युवकों की २१ किलो गांजा के जत्थे के साथ गिरफ्तार किया गया था। यह जत्था उपलब्ध कराने वाला वराछा के कालु बिहारी को पुलिस ने वांटेड घोषित किया है। सूरत के कतारगाम और वराछा पुलिस की सीमा में स्थित उत्कल नगर और अशोक नगर गांजा की बिक्री के लिए बदनाम है। यहां रहते उडीयावासी युवक गांजा का बड़ी मात्रा में व्यापार करते है। रेलवे पटरी के दोनों तरफ यह शख्स जैसे कि सब्जी बेचते हो इस तरीके से पाथरणा लगाकर गांजा की बिक्री करते है। ओडिशा से रेलवे के द्वारा गांजा का जत्था लाकर यह लोग बिक्री करते है। वह अपने घर में अंडरग्राउंड जगह में यह गांजा का जत्था छिपाकर बेचते है। यह समय में पुलिस को जानकारी मिली थी कि दो शख्स सब्जी के जैसे मोपेड पर गांजा का व्यापार कर रहे हैं। जानकारी मिलने के बाद कतारगाम पुलिस ने आज निगरानी रखकर कतारगाम क्षेत्र में स्थित उत्कल नगर के अंबाजी महोल्ला में रहते दो शख्सों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर सागर शशिप्रधान और मुकेश राउत को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनके पास से २१ किलो गांजा और एक वजन कांटा जब्त किया था। इसके साथ पुलिस ने कुल तीन लाख का मालसामान जब्त किया।

शादी में आये ३७ बाराती जुआ खेलते गिरफ्तार हो गये

मेहसाणा।

मेहसाणा जिले के वडनगर के निकट स्थित आवास क्षेत्र में हाल में आयोजित शादी प्रसंग में ३७ शख्स जुआ खेल रहे थे। यह मामले की जानकारी वडनगर पुलिस स्टेशन के पीएसआई जेटी पंडया को मिलने पर उन्होंने पुलिस टीम के साथ इस स्थल पर छापेमारी की थी। पुलिस को आये देखकर जुआ खेलते बारातियों में भगदड़ मच गई थी। वडनगर पुलिस ने नकद, मोबाइल सहित ५.५० लाख के मालसामान के साथ ३७ जुआरियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ जुआ धारा के अनुसार अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। वडनगर के निकट स्थित खोखा गणपति नाम के आवास क्षेत्र में हाल में शादी प्रसंग पर बारात आई थी। जिसमें बारातियों के तौर पर आये कई शख्स इकट्ठा होकर टाइमपास के लिए जुआ खेल रहे होने की जानकारी स्थानीय पुलिस को मिली थी। पुलिस स्टेशन के पीएसआई जेटी पंडया ने जानकारी के आधार पर स्टाफ के साथ जाकर छापेमारी की। तब ३७ शख्स अपने आर्थिक लाभ के लिए जुआ खेल रहे थे। पुलिस को आये देखकर यह शख्सों ने भागने का प्रयास किया लेकिन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वडनगर पुलिस ने यह ३७ शख्सों से नकद, मोबाइल, जुआ साहित सहित ५.५० लाख का मालसामान जब्त किया गया। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार किए सभी शख्सों को वडनगर पुलिस स्टेशन में ले गई थी और जुआ धारा के तहत अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, पुलिस की कार्रवाई के दौरान कई लोगों ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया था। लेकिन वडनगर पुलिस स्टेशन के पीएसआई के सख्त रवैये से मध्यस्थता करने आये लोगों को वापस जाना पड़ा।

मोबाइल में विडियो बना रही बच्ची की फांसी लग जाने से मौत

पहली दो बेटी वतन में रहती है तब छोटी बेटी नीकिता और बेटा निखिल उनके साथ सूरत में रहता था

सूरत।

शहर में फिर एक बार मां-पिता को सबक सिखाती एक घटना सामने आई है। मोबाइल में विडियो बनाने की लालच में एक ११ वर्ष की नेपाली बच्ची को फांसी लग जाने से मौत हो गई यह घटना सामने आई है। हालांकि, बच्ची की मौत की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई है। महिधरपुरा पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मूल नेपाल के और हाल में सूरत के महिधरपुरा में स्थित हीरा बाजार के जादाखाडी में स्थित सपना बिल्डिंग में काम करते हीराभाई वॉचमैन के तौर पर काम करके परिवार का गुजारा चलाते थे। हीराभाई को संतान में ३ लड़की और एक बेटा है। पहली दो बेटी वतन में रहती है तब छोटी बेटी नीकिता और बेटा निखिल उनके साथ सूरत में रहता था। जिसमें ११ वर्ष की बेटी नीकिता को मोबाइल में फिल्मी गीत पर विडियो बनाने का शौक था। गत दिन मां अपने काम पर से खाने आई थी तब बेटी को घर के बाहर नहीं जाने का कहकर अपने भाई को देखभाल के लिए कहकर खाकर वापस काम पर चली गई थी। हालांकि, देर शाम को आती बेटी नीकिता घर की लोहे की खिड़की के पास गले में फांसी लगाकर मृतक हालत में मिली थी। मां ने शोर मचाने पर निकट में रहते पड़ोसी भागकर आये थे और बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल में ले गये। हालांकि, ड्यूटी पर के डॉक्टर ने बच्ची को मृतक घोषित कर दिया। हालांकि इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी तुरंत पहुंच गई। पुलिस की पूछताछ में बेटी की मां ने बताया कि इसे फिल्मी गीतों पर विडियो बनाने का शौक था। वह जबकि घर में हो तब वह अक्सर ऐसे विडियो बनाती थी। विडियो बनाते-बनाते इसने गले में फांसी लगी हो सकती है। महिधरपुरा पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस उनके मोबाइल की जांच करेगी।

पत्नी के सामने ही प्रेमिका के साथ प्रेमलीला करता था

पति घर दामाद बनकर अत्याचार करने लगा था और महिला के पिता से बाइक-रिक्शा लेने के लिए पैसे लिए

अहदाबाद।

शहर की महिला पुलिस स्टेशन में एक विवाहिता ने अपने पति सहित ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यह महिला आरोप लगाया है कि इसका पति अक्सर इसे परेशान करता था और शादी के कुछ समय बाद इसे अन्य एक महिला के साथ नाजायज संबंध था। इतना ही नहीं इसके सामने ही वह प्रेमिका के साथ प्रेमलीला करता था। महिला का पति घर दामाद बनकर अत्याचार करने लगा और महिला के पिता से बाइक और रिक्शा लेने के लिए पैसा लिया। पूरे मामले को लेकर पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। शहर के राणिप क्षेत्र में रहती ३१ वर्षीय महिला एक निजी महिला अस्पताल में नौकरी करती है। महिला ने एमए. तक की पढ़ाई की है। महिला की शादी वर्ष २०१३ में राजस्थान में रहते एक युवक के साथ हुआ था। शादी के बाद महिला अपने ससुराल रहने गई थी। जहां इसके ससुराल वालों ने एक महीना अच्छे तरीके से रखा था और बाद में घरकाम मामले में महिला की गलती निकालकर इसे कुछ नहीं आता है यह कहकर अत्याचार करते थे। महिला का पति भी शादी के बाद बारबार इसे कहता था कि, अहमदाबाद में इसके पिता के वहां रहना चाहिए। यह घर का बड़ा दामाद होने से संपत्ति हिस्से में आये यह भी हमें बचाना पड़ेगा। जिसकी वजह से महिला की शादी सात महीने के बाद इसके पति के साथ अहमदाबाद में आ गई थी और राणिप में इसके मां-पिता के साथ रहने लगी थी। वर्ष २०१४ में महिला के जेठ की शादी होने से इसके जेठ ने फोन करके महिला के मां-पिता से शादी के खर्च के लिए रुपया मांगा था। जिसकी वजह से महिला ने ३० हजार रुपया नकद लेकर अपनी सास को दिया था। इसके बाद भी सास-ससुर और जेठ महिला के पति को फोन करके इसके विरूद्ध में उकसाते थे।

हर घंटे में ८ व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़े गये

१९ जून तक में कोविड के नियमों के उल्लंघन के ७३८६७ केस दर्ज किए गए, इस अपराध में ८२६९६ लोग पकड़े गये

अहमदाबाद।

शहर कोरोना महामारी की दो खतरनाक लहर देखा फिर भी हजारों लोगों की जान चली गई फिर भी, अहमदाबादियों ने कोरोना प्रोटोकोल भंग करने का जारी रखा है और पुलिस कर्मचारियों द्वारा पकड़े जा रहे हैं। उल्लंघन करने वाले को हिरासत में लेने का कुल आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण बताता है कि, २०२० में लॉकडाउन लागू किया गया तब से हर एक घंटे में ८ अहमदाबादी पुलिस द्वारा कोरोना के नियम का उल्लंघन करने पर पकड़े गये थे। जिसमें मास्क नहीं पहनने के नियम शामिल नहीं होते हैं। १९ जून तक में कोविड के नियमों के उल्लंघन के ७३८६७ केस दर्ज किए गए थे, इस अपराध में ८२६९६ लोग पकड़े गये थे, यह शहर पुलिस के आंकड़े बताते है। इसका अर्थ यह हुआ कि, रोजाना औसत १८१ लोग कोरोना नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़े गये।

गत वर्ष १९ मार्च को कोविड-१९ का पहला केस दर्ज हुआ तब से १९ जून, २०२१ तक में कुल २.३० लाख केस शहर में दर्ज हुए थे, इसका अर्थ यह हुआ कि शहर में हर एक घंटे कोविड-१९ के २१ केस दर्ज हुए थे। रात को घूमने के अलावा, लोग सामाजिक दूरी का पालन भी नहीं करते है। विशेष करके व्यापारियों, छोटे दुकानदारों और फेरिया वाले कोविड के नियमों का पालन नहीं करते पकड़े गये थे। कोविड-१९ के केस की बात करे तो केस में भारी कमी हुई है। अहमदाबाद में रविवार को (पिछले २४ घंटे में) ३८ केस दर्ज हुए थे, यह राज्य में सबसे ज्यादा था। गुजरात में कुल १८५ नए केस दर्ज किए गए थे और ६५१ मरीज ठीक हुए थे।

सूरत भूमि, सूरत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर गुजरात प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन के सूरत कार्यालय पर प्राणायाम एवं ध्यान योगा शिविर का आयोजन किया गया। योगा शिविर में सभी उपस्थित महानुभाव ने बहुत ही बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। योग एवं प्राणायाम की महिमा पर सार्थक चर्चा भी हुई।

पति का दूसरा अफेयर होने से महिला को घर से निकाल दिया

वडोदरा।

पिछले कई दिनों से वैवाहिक संबंधों की वजह से कपल के बीच मतभेद पैदा होने के मामले बढ़े हैं। इसमें भी लॉकडाउन होने के बाद वैवाहिक रिश्ते के पर्दाफाश होने के मामले बढ़ रहे हैं। जिसकी वजह से कपल एक दूसरे के विरूद्ध आरोप और प्रत्यारोप लगा रहे हैं। कई मामले में समाधान देखने को मिलता है जबकि कई मामले कोर्ट तक चले जाते है। ऐसा ही एक मामला वडोदरा जिले के पादरा तहसील के लतीपुरा गांव में अन्य महिला के साथ अनैतिक रिश्ते रखते दो संतान के पिता ने पत्नी को घर से दहेज लेकर आने के लिए परेशान करके घर से निकाल देने पर पुलिस शिकायत दर्ज हुई है। लतीपुरा गांव में रहती काजल (नाम अलग है) सोढा ने पति राजेश (नाम अलग है), जेठ महेश (नाम अलग है), सास राज श्रीबहन (नाम अलग है) और ननंद रमीला (नाम अलग है) सामने महिला पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में बताया गया है कि मेरी शादी मार्च-२०१० में हुई थी। शादी के बाद संतान में दो बेटे है। शादी के शुरूआत के पांच वर्ष अच्छे तरीके से गुजरा इसके बाद सास और जेठ मेरे पति को उकसाता था और शादी पर कुछ नहीं लाई है। यह कहकर मुझे अपशब्द कहते और मानसिक अत्याचार करते थे। दूसरी तरफ पति का अन्य युवती के साथ संबंध है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि इसके पति का टीना (नाम अलग है) नाम की युवती के साथ अनैतिक रिश्ता होने से इस मामले में जबकि पति को बोलूं तो पति कहता कि मैं टीना को प्रेम करता हूं इसके साथ कुछ दिनों में शादी भी करना है, तुझे अच्छा लगे तो मेरे घर में रहना नहीं तो तेरी बेटियों को लेकर अपनी मां के घर चली जाना। विवाहिता ने पुलिस को बताया कि पति शराब पीकर आता और मुझे तथा बेटों को पीटता था, पति का टीना के साथ संबंधों के मामले में जबकि सास और ननंद को जानकारी दी तो यह कहते थे टीना पैसे की मदद करती है, तु शादी में कुछ नहीं लाई है एक कोने में पड़ी रहे।

अहमदाबाद में सूदखोरों के आतंक से युवक ने आत्महत्या की

बहुत प्रयास किया फिर भी युवक दो लाख रुपया जमा नहीं कर सका, दूसरी तरफ सूदखोरों का आतंक बढ़ता जा रहा था

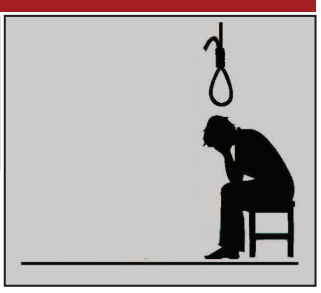

अहमदाबाद।

ब्याज पर रुपया देकर लोगों को निशान बनाते सूदखोरों का और एक मामला सामने आया है। जिसमें इस बार सूदखोरों से परेशान एक युवक ने अंतिम कदम उठाया है। ब्याज बढ़ जाने से युवक के लिए यह भरना मुश्किल बन गया। ऐसे में सूदखोरों ने इसका बाइक लेकर इसे परेशान करना शुरू करने पर इसने परेशान होकर अंतिम कदम उठा लिया। इसके पहले युवक ने अपना विडियो भी बनाया। युवक ने विडियो कह रहा है कि, आप जब यह विडियो देखेंगे तब मैं नहीं रहूंगा मुझे माफ करना। पुलिस ने यह मामले में जांच शुरू कर दी है। पहले ऐसी घटनाएं हो चुकी है और सूदखोरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है फिर भी उनका आतंक कम नहीं हो रहा है। ऐसे में सख्त वसूली की जा रही होने से कई लोग बर्दाश्त नहीं कर सकते अंतिम कदम उठा लेते है। खोखरा में छूटक मजदूरी करके गुजारा चलाते उर्मित उर्फ बंटी ने सूदखोरों से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है और इसके दो विडियो भी सामने आये है। जिसमें युवक कह रहा है कि, जो हुआ वो हो गया, मैंने रुपया जमा करने के लिए बहुत मेहनत की लेकिन मुझे सफलता नहीं मिली। मुझे इतना रुपया जमा करने का टाइम नहीं मिला। दो लाख रुपया जमा करना छोटी बात नहीं है।

यह विडियो में मृतक किसे कितने रुपया चुकाना है इस मामले में बात करते जा रहा है। रिशी टांक नाम के व्यक्ति को इसने ५४ हजार रुपया चुकाना था लेकिन वह चुका नहीं सका जिसकी वजह से वह इसका बाइक ले गये यह बताया है। यह केस में पुलिस ने पूनम रबारी, प्रजय दवे, रिशी टांक, चिराग पंडया और टीनी टांक के खिलाफ अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इसके साथ युवक ने आत्महत्या के लिए इसकी प्रेमिका ने एक सप्ताह से रोकने की बात की है और इसकी प्रेमिका की कोई गलती नहीं होने का बताया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)